सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 232 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 5 जून 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

मौसम बदल रहा करवट, कुछ दिनों तक गरज चमक के साथ अंधड़ की संभावना

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम करवट ले रही है। तेज धूप और भीषण गर्मी के बीच मौसम विभाग ने राहत की खबर दी है। राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में गरज चमक के साथ अंधड़ चलने की संभावना है। बीती रात रायपुर समेत कई इलाकों में बारिश हुई है। वहीं मुंगेली में सर्वाधिक अधिकतम तापमान दर्ज किया गया है। चक्रवती परिसंचरण के प्रभाव से प्रदेश के कुछ जगहों पर हल्की बारिश होने की संभावना है। इसके साथ ही एक दो जगह पर गरज चमक के साथ अंधड़ चलने की संभावना है। तेज हवा 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा के रफ्तार से चलने की संभावना है। आगामी पांच दिनों तक प्रदेश में ऐसे ही मौसम बने रहने की संभावना है। साथ ही अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन नहीं होगी।

मंगलवार को प्रदेश में सबसे गर्म जिला मुंगेली रहा है। यहां सर्वाधिक अधिकतम तापमान 43.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। वहीं सबसे कम न्यूनतम तापमान नारायणपुर में 21.8 डिग्री सेल्सियस रहा। रायपुर में 42.2, माना एयरपोर्ट में 41.7, बिलासपुर में 43, पेंड्रा रोड में 40.02, दुर्ग में 41. 2 और राजनांदगांव में 41.5 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज किया गया है।

भूचाल के बाद संभला बाजार; सेंसेक्स 650 अंक चढ़ा, निफ्टी 22000 के पार पहुंचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव परिणामों के दिन औंधे मुंह गिरने के बाद बुधवार को शेयर बाजार हरे निशान पर कारोबार करता दिख रहा है। शुरुआती कारोबार में सेसेक्स में 600 अंकों तक की बढ़त दिखी। दूसरी ओर, निफ्टी एक बार फिर 22000 का स्तर पार करने में सफल रहा। हालांकि बुधवार की सुबह भी ऊपरी स्तरों से बाजार में बिकवाली दिखी। सुबह 9 बजकर 39 मिनट पर सेंसेक्स में 188.90 (0.26 प्रतिशत) अंकों की बढ़त के साथ 72,267.95 के स्तर पर कारोबार होता दिखा। वहीं निफ्टी 46.05 (0.21 प्रतिशत) अंक चढ़कर 21,930.55 के स्तर पर पहुंच गया।

सीएम साय का चेहरा कर गया कमाल

दिल्ली में बढ़ेगा साय का कद, मतदाताओं ने कांग्रेस के सामाजिक समीकरणों को नकारा

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ ने भाजपा की लाज एक बार फिर रख ली। लोकसभा चुनाव के नतीजों ने फिर बताया कि राज्य के मतदाता भाजपा के साथ हैं। लेकिन 11 में से 10 सीटें जीतने वाली भाजपा को सफलता दिलाने में राज्य के लोकप्रिय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का सबसे अहम् योगदान रहा। चंद महीनों के अपने कार्यकाल में सीएम साय ने छत्तीसगढ़ में सबसे बड़े चेहरे के रूप में उभरे हैं। राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा पीएम मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ रही थी, लेकिन छत्तीसगढ़ में सीएम विष्णुदेव साय का चेहरा कसौटी पर था। मतदाताओं का भरोसा जीतने में सीएम साय पूरी तरह कामयाब रहे। अलग छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद से सिर्फ एक बार 2019 में कांग्रेस को 2 सीटें मिली। ऐसे में भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनौती उस रिकार्ड को बरकरार रखना था, जो छत्तीसगढ़ के मतदाताओं के भरोसे पर निर्भर था। नतीजों से साफ है कि प्रदेश की भाजपा सरकार देशभर के विपरीत हालातों के बावजूद छत्तीसगढ़ में मतदाताओं का भरोसा जीतने में सफल रही।

2023 के अंत में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा को अभूतपूर्व सफलता मिली और शीर्ष नेतृत्व ने राज्य को विष्णुदेव साय के रूप में एक आदिवासी मुख्यमंत्री दिया। लोकसभा चुनाव के नतीजे बताते हैं कि राज्य की 4 एसटी आरक्षित सीटों के साथ ही मतदाताओं ने एससी आरक्षित सीट पर भी भाजपा का साथ देकर

शीर्ष नेतृत्व के फैसले को सही साबित किया। कांग्रेस ने जातीय व सामाजिक समीकरणों को साधने के लिहाज से प्रत्याशी तय किए थे, लेकिन उसकी इस रणनीति को मतदाताओं ने सिरे से खारिज कर दिया। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को राजनांदगांव से पिछड़ा वर्ग वोटों को ध्यान में रखकर उतारा गया तो पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू को महासमुंद से साहू समाज के वोटों को देखते हुए उतारा गया। भिलाई के विधायक देवेन्द्र यादव को यादव वोटों को ध्यान में रखते हुए बिलासपुर से प्रत्याशी बनाया गया। पूर्ववर्ती सरकार में मंत्री रहे शिवकुमार डहरिया को भी दूसरे क्षेत्र से लाकर जांजगीर चाम्पा से चुनाव लड़वाया गया। कांग्रेस के इन सभी नामचीन नेताओं को भाजपा के जमीनी कार्यकर्ताओं से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि भाजपा ने भी कोरबा सीट पर दुर्ग की पूर्व सांसद सरोज पाण्डेय को उतारा था, लेकिन पार्टी का यह प्रयोग भी असफल रहा। छत्तीसगढ़ के मतदाताओं ने एक तरह से कड़ा संदेश दिया कि दीगर क्षेत्रों से उम्मीदवारों को उतारने की परिपाटी अब नहीं चलने वाली।

सीएम ने जताया आभार, कहा- इतिहास रच दिया

छत्तीसगढ़ में भाजपा की अभूतपूर्व जीत पर सीएम विष्णुदेवसाय ने जनता और कार्यकर्ताओं का आभार जताया है। सीएम साय ने अपने सोशल मीडिया पर लिखा- छत्तीसगढ़ ने इस बार फिर इतिहास रचा है। प्रदेश की जनता ने मोदी की गारंटी पर भरोसा जताते हुए फिर से विजय दिलाई है। इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रदेश की महान जनता, पार्टी के देवतुल्य कार्यकर्ताओं का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में डबल इंजिन की नयी सरकार और अधिक तत्परता के साथ 'विकसित छत्तीसगढ़' का स्वप्न साकार करने जी-जान से जुटेगी। यह जनादेश हमें और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने उत्साहित करेगा। वहीं सीएम साय ने राष्ट्रव्यापी नतीजों पर कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार देश की जनता ने भाजपानीत राजग को भरपूर जनादेश दिया है। उन्होंने कहा कि हमने छत्तीसगढ़ में भी इतिहास रचा है। प्रदेश के दस सीटों पर निर्णायक बढ़त होना और मामूली मतों से एक सीट पर दूर रह जाना यह साबित करता है कि जनता ने मोदी की गारंटी पर अपना अभूतपूर्व भरोसा दिखाया है। उन्होंने जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हमें माताओं-बहनों, किसान-मजदूरों, युवाओं-बुजुर्गों हर वर्ग का समर्थन मिला। छत्तीसगढ़ की जनता से भाजपा को मिले आशीर्वाद के लिए सीएम साय ने प्रधानमंत्री मोदी सहित राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह और प्रदेश चुनाव प्रभारी प्रभारी नितिन नबीन के साथ राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश व सभी केंद्रीय नेताओं को धन्यवाद किया हैं।

इस बार भी 3 महिलाएं पहुंची संसद

छत्तीसगढ़ से कांग्रेस की 1 और भाजपा की दो 2 महिला सांसदों ने जीत हासिल की है। इनमें कोरबा से ज्योत्सना महंत ने भाजपा की सरोज पाण्डेय को मात देकर लगातार दूसरी बार जीत हासिल की। वहीं महासमुंद सीट से भाजपा की रूपकुमारी चौधरी ने कांग्रेस के ताम्रध्वज साहू को तो जांजगीर चाम्पा सीट से भाजपा की कमलेश जांगड़े ने कांग्रेस के शिवकुमार डहरिया को हराकर जीत हासिल की। 2019 के चुनाव में भी तीन महिलाएं छत्तीसगढ़ से संसद पहुंची थी। इनमें कांग्रेस की एक और भाजपा की दो महिलाएं शामिल थी। कांग्रेस की टिकट से कोरबा से ज्योत्सना महंत ने जीत हासिल की थी, जबकि सरगुजा से रेणुका सिंह व रायगढ़ से गोमती साय ने विजय पताका फहराई थी। इस बार भाजपा ने महासमुंद से 2 बार विधायक रह चुकीं रूपकुमारी चौधरी को पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ाया था। कुल महिलाओं की बात करें तो 11 लोकसभा सीटों पर 29 महिलाओं ने अपनी किस्मत आजमाई थी। बस्तर और कांकेर जैसी एसटी आरक्षित सीटों पर एक भी महिला प्रत्याशी नहीं थी। वहीं सरगुजा से 3, रायगढ़ से 2, जांजगीर चाम्पा से 6, कोरबा से 6, बिलासपुर से 1, राजनांदगांव से 2, दुर्ग से 3 तो रायपुर से 5 और महासमुंद से 1 महिला प्रत्याशी मैदान में थी।

एसटी-एससी सीटों पर जमाया कब्जा

2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने कोरबा और बस्तर की सीटें जीती थी। इस बार कांग्रेस कोरबा पर अपना कब्जा बरकरार रखने में कामयाब रही, लेकिन उसके हाथ से बस्तर फिसल गया। बस्तर में कांग्रेस की बड़ा चेहरा लड़वाने की रणनीति को भाजपा के एक नए नवेले युवा नेता ने निष्फल कर दिया। 2023 के विधानसभा चुनाव में बस्तर संभाग की 12 में से 8 सीटों पर भाजपा को जीत मिली थी। जबकि इससे पहले 2018 के चुनाव में भाजपा का सूपड़ा साफ हो गया था। इस बार के लोकसभा चुनाव में जीत के पीछे कहीं न कहीं आदिवासी सीएम विष्णुदेव साय का चेहरा काम कर गया। राज्य की सभी चारों एसटी सीटें बस्तर, सरगुजा, रायगढ़ और कांकेर पर भाजपा ने जीत का परचम लहराया। वहीं इकलौती एससी आरक्षित सीट जांजगीर चाम्पा में भी भाजपा को अभूतपूर्व जीत मिली। बस्तर के अलावा इस बार सरगुजा की सीट भी खासी चर्चा में थी, क्योंकि यहां भाजपा ने चिंतामणि महाराज को प्रत्याशी बनाया था, जो कुछ समय पहले तक कांग्रेस में थे। सरगुजा की सभी 14 विधानसभा सीटें भाजपा के कब्जे में है। बाकी के तीनों संभागों रायपुर, बिलासपुर व दुर्ग में भी भाजपा ने बेहतर प्रदर्शन किया।

कांकेर में नोटा ने किया फैसला

कांकेर सीट पर इस बार कड़ा मुकाबला देखने को मिला। कांग्रेस ने यहां से पिछली दफा चुनाव हारे बीरेश ठाकुर को दोबारा उतारा था तो भाजपा से भोजराज नाग प्रत्याशी थे। भाजपा को इस सीट पर महज 1884 वोटों से जीत मिली। वहीं नोटा (इनमें से कोई नहीं) को कुल 18,669 मत मिले। जाहिर है कि यदि नोटा में इतनी अधिक संख्या में वोटिंग नहीं होती तो नतीजे का रूख बदल सकता था। राजनीतिक विश्लेषक इस सीट पर कड़ी टक्कर के साथ ही कांग्रेस की जीत की संभावना भी जता चुके थे। कांकेर जैसे आदिवासी इलाके में मतदाताओं का नोटा के प्रति जागरूक होना लोकतंत्र की जीत की ओर ही इशारा करता है। 2019 के चुनाव में कांकेर और बस्तर सीटों पर नोटा का असर दिखा था। बस्तर में नोटा को जितने वोट मिले थे, उतने पूरे राज्य में किसी और सीट पर नहीं मिले थे। 2014 के लोकसभा चुनाव में भी नोटा ने महासमुंद और कोरबा सीट के नतीजों को प्रभावित किया था। महासमुंद लोकसभा सीट में हार-जीत का अंतर 1227 वोट था। जबकि नोटा को 9953 वोट मिले थे। कोरबा में हार-जीत का अंतर 4265 वोट था। जबकि 9955 मतदाताओं ने नोटा का बटन दबाया था। इस चुनाव की बात करें तो नोटा ने सरगुजा में भी कमाल दिखाने की कोशिश की। यहां नोटा तीसरे नंबर पर रहा। हालांकि नोटा को मिले वोटों से नतीजों पर तो कोई असर नहीं होता, लेकिन 28,107 वोट पाकर नोटा ने गोंगपा और बसपा जैसी पार्टियों को पीछे छोड़ दिया।

17वीं लोकसभा भंग करने की सिफारिश, पीएम मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट ने लिया फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में 17वीं लोकसभा को भंग करने की सिफारिश की गई। मौजूदा 17वीं लोकसभा का कार्यकाल 16 जून को खत्म हो रहा है। उल्लेखनीय है कि लोकसभा को भंग करने की शक्ति राष्ट्रपति के पास होती है, लेकिन राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री या केंद्रीय कैबिनेट की सलाह से ही लोकसभा को भंग कर सकते हैं। अब चूंकि कैबिनेट ने लोकसभा को भंग करने की सिफारिश कर दी है तो राष्ट्रपति की मंजूरी के साथ ही 17वीं लोकसभा भंग हो जाएगी।

केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में लोकसभा चुनाव के नतीजों और भाजपा नीत एनडीए द्वारा सदन में बहुमत हासिल करने के बाद संभावित सरकार गठन के मुद्दे पर चर्चा हई। बैठक सुबह 11.30 बजे प्रधानमंत्री आवास पर शुरू हुई। इस बैठक के बाद मंत्रिपरिषद की बैठक होगी। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल की कैबिनेट और मंत्रिपरिषद की यह आखिरी बैठक है।

गठबंधन की होगी देश की अगली सरकार

लोकसभा चुनाव के नतीजों का एलान हो चुका है और 543 लोकसभा सीटों में से 240 सीटों पर भाजपा और 99 सीटों पर कांग्रेस को जीत मिली है। भाजपा नीत एनडीए गठबंधन को 292 और कांग्रेस नीत विपक्षी गठबंधन को 234 सीटें मिली हैं। नतीजों से स्पष्ट है कि देश में अगली सरकार गठबंधन की होगी। सरकार गठन को लेकर बुधवार को एनडीए की बैठक होगी। वहीं विपक्षी इंडी गठबंधन भी आज बैठक करेगा। प्रधानमंत्री मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं, लेकिन इस बार भाजपा को सरकार चलाने के लिए सहयोगी पार्टियों के समर्थन की जरूरत है। खासकर जदयू और तेदेपा का समर्थन जरूरी होगा। विपक्षी गठबंधन को भी जदयू और तेदेपा को अपने पाले में खींचने की कोशिश कर सकता है। हालांकि दोनों ही पार्टियों ने साफकर दिया है कि वह एनडीए को गठबंधन देंगे, लेकिन इसके बावजूद विपक्षी गठबंधन अपनी कोशिशों में जुटा है।

कांस्टेबल की पत्नी और 2 बच्चों की मां, 25 साल की संजना बनी सांसद, दिग्गजों को दी मात

भरतपुर (एजेंसी)। राजस्थान के भरतपुर लोकसभा सीट से कांग्रेस की टिकट पर चुनाव जीतने वाली 25 वर्षीय दलित महिला और दो बच्चों की मां 18वीं लोकसभा में राजस्थान से सबसे कम उम्र की सांसद बनकर उभरी हैं। इस लोकसभा चुनाव में चुने गए देश के सबसे कम उम्र के चार सांसदों में संजना जाटव भी शामिल हैं। जाटव ने राजस्थान के भरतपुर लोकसभा सीट पर 59 वर्षीय भाजपा उम्मीदवार और पूर्व लोकसभा सांसद रामस्वरूप कोली को लगभग 52 हजार वोटों के अंतर से हराकर महत्वपूर्ण जीत हासिल की है।

जीत के बाद जनता के बीच राजस्थानी गाने पर जीत की खुशी में डांस करती नजर आईं अपनी शानदार जीत को जाटव ने जनता की जीत बताई है। उन्होंने अपनी

जीत के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी, अशोक गहलोत और सचिन पायलट को धन्यवाद देते हुए कहा संजना जाटव ने कहा कि वह लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने का हरसंभव प्रयास करेंगी। उन्होंने कहा, 'मुझे यह अवसर देने के लिए मैं पार्टी नेतृत्व और भरतपुर के लोगों को उनके अपार समर्थन के लिए धन्यवाद देती हूं।'

इससे पहले जाटव ने अलवर की कठूमर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ी थीं, लेकिन वह बीजेपी के रमेश खींची से महज 409 वोटों से हार गई थीं। नवंबर 2023 के विधानसभा चुनाव में दोनों उम्मीदवारों को 79,000 से अधिक वोट मिले थे। कठूमर अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीट है। 1998 से इस सीट पर बारी-बारी से कांग्रेस और भाजपा जीतती रही है। दोनों पार्टियों ने इस विधानसभा सीट पर तीन-तीन बार जीत हासिल की है।

संजना जाटव प्रियंका गांधी की 'लड़की हूं लड़ सकती हूं' अभियान में भी शामिल रही हैं और उन्हें क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं का समर्थन प्राप्त है। इनमें एआईसीसी महासचिव भंवर जितेंद्र सिंह और भरतपुर शाही परिवार से पूर्व सांसद और मंत्री विश्वेंद्र सिंह भी शामिल हैं।

संजना के पति कप्तान सिंह पुलिस कांस्टेबल हैं। संजना दो छोटे बच्चों की मां हैं। उन्होंने 2019 में महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय से स्नातक की पढ़ाई पूरी की है। लोकसभा चुनाव के लिए दिए गए उनके हलफ्नामे के अनुसार, उन्होंने 23 लाख 10 हजार 193 रुपये की संपत्ति घोषित की है। उन पर 7 लाख 15 हजार 340 रुपये की देनदारी है।

बहस होगी तो सच्चाई सामने आकर रहेगी

श्रीकंचनपथ

18वीं लोकसभा के लिए चुनाव सम्पन्न हो गए। 10 साल से केन्द्र की सत्ता पर काबिज भारतीय जनता पार्टी अब भी देश की सबसे बड़ी पार्टी है। भले ही सीटें कम हुई हों पर मोदी तीसरी बार सरकार बनाने वाले हैं। नतीजे आने के बाद भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि 1962 के बाद पहली बार कोई सरकार तीसरी बार रिपीट हो रही है। उनका सीधा इशारा भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की ओर था जो लगातार 16 सालों तक देश के प्रधानमंत्री थे। भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में यह एक अभूतपूर्व घटना है। 1962 और 2024 के परिदृश्य में आमूलचूल परिवर्तन आ चुका है। इसलिए मोदी के नेतृत्व में मिली यह जीत नेहरू की जीत से कई गुना बड़ी है। पर इस चुनाव ने भाजपा को कई सबक भी दिये हैं। विशेषकर भाजपा की ट्रोल सेना और उसके आईटी सेल के लिए यह सबक बहुत बड़ा है। 2014 से लेकर 2019 तक के चुनाव में इंटरनेट और सोशल मीडिया ने अपनी पूरी ताकत कांग्रेस नेता राहुल गांधी को नेस्तनाबूद करने में खर्च कर दी। इतिहास के पन्नों से निकालकर अलग-अलग घटनाओं को जोड़कर इस तरह पेश किया गया कि कांग्रेस देश की सबसे ज्यादा भ्रष्ट, निकम्मी और नाकारा पार्टी नजर आने लगी। उस नेहरू तक के खिलाफजनमत तैयार किया जाने लगा जिसका पूरा कार्यकाल उपलब्धियों से भरा पड़ा है। विज्ञान का नियम है कि प्रत्येक क्रिया की प्रतिक्रिया होती है जो परिमाण में बराबर और दिशा में विपरीत होती है। जब ट्रोल सेना का मुकाबला करने में कांग्रेस और यूपीए नाकाम रहे तो कलमकारों ने यह जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली। जिस देश में बुद्धिजीवी होना पाप माना जाने लगा था, वहां कलम उठाना भी एक जोखिम था। पर कवियों ने, साहित्यकारों और स्वतंत्र पत्रकारों ने इस चुनौती को स्वीकार किया। ट्रोलर्स के प्रत्येक हमले का जवाब दिया जाने लगा। इसके साथ ही पढ़े लिखे लोग इतिहास खंगालने लग गए। दूध का दूध और पानी का पानी होने लगा। ऐसा नहीं है कि भाजपा के रणनीतिकारों को इसका आभास नहीं था। वो खूब जानते थे कि उनका तिलिस्म टूटने लगा है। इसलिए वह आक्रामक तो हुई पर नतीजे नहीं मिले। वैसे भी आक्रामक होना केवल विपक्ष को शोभा देता है। सत्ता के लिए यह मौका अपनी उपलब्धियां गिनाने का होता है। यही कारण है कि जब चुनाव के नतीजे आए तो हिन्दी पट्टी में भाजपा को जबरदस्त नुकसान हो गया। भरपाई के लिए पश्चिम बंगाल और केरल में की गई मेहनत भी बेकार गई। जिस दीदी को मुसलमान साबित करने की कोशिशें होती रहीं, वह पिछली बार के 22 के मुकाबले इस बार 29 सीटें जीत कर ले गई। दक्षिण में भी मायूसी ही मिली। लद्दाख ने भी साथ नहीं दिया। भाजपा चाहे तो इस गलती को सुधार सकती है पर क्या उसके अंधभक्त उसे ऐसा करने देंगे?

संपादकीय

जनादेश का संदेश

अठारहवीं लोकसभा चुनाव के परिणाम न केवल चौंकने, बल्कि सोचने पर भी मजबूर कर रहे हैं। कोई बहुत बड़ा उलट-फेर नहीं है, पर जो हुआ है, उसकी तरह-तरह से विवेचना संभव है। अगर शुद्ध गणितीय दृष्टि से देखें, तो कुल मिलाकर, केंद्र में सत्तारूढ़ प्रमुख पार्टी को जोर कम हुआ है। चार सौ पार पहुंचने का उसका मनसूबा पूरा नहीं हुआ।

> पिछले चुनाव में भाजपा को अकेले ही 303 सीटों के साथ भारी बहुमत मिला था, पर इस बार बहुमत दरकता दिखा है। वैसे, भारत जैसे राजनीतिक, सामाजिक विविधता वाले देश में यह कोई कम बड़ी बात नहीं कि एक पार्टी-एक नेता नरेंद्र मोदी लगातार दो बार सत्ता में रहने के बावजूद तीसरी दफा भी मिले-जुले जनादेश के बाद सरकार बनाने में सक्षम हो गए हैं।

उन्हें न जाने क्या-क्या कहा गया, लेकिन व्यापकता में लोगों की नजरों में वह अभी भी देश के नंबर वन नेता हैं। हां, यह जरूर है कि साल 2014 और साल 2019 के चुनाव में भाजपा को अकेले ही बहुमत हासिल था और अन्य सहयोगियों के साथ वह बहुत आसानी से दस साल तक सरकार चला पाई। अब ताजा चुनावी नतीजे पहला इशारा तो यही कर रहे हैं कि तीसरी बार भाजपा को सरकार चलाने में उतनी सुविधा नहीं होगी। मतलब, देश में दस साल बाद फिर गठबंधन पर निर्भरता का दौर लौट आया है।

विपक्ष के नजरिये से अगर परिणामों को देखा जाए, तो यह एक बड़ी कामयाबी है कि प्रमुख विपक्षी गठबंधन के पास सवा दो सौ से ज्यादा सीटें हैं। लोकसभा चुनाव 2019 में विपक्षी गठबंधन यूपीए के पास 92 सीटें थीं, पर अब इंडिया ब्लॉक के पास इतनी सीटें हैं कि वह मजबूती के साथ सत्ता पक्ष को चुनौती दे सकता है। पिछले चुनाव में समाजवादी पार्टी विपक्ष में तो थी, पर कांग्रेस के साथ नहीं थी, इस बार कांग्रेस के साथ उसका होना खासतौर पर उत्तर प्रदेश में रंग लाया है। इस चुनाव में समाजवादी पार्टी के साथ ही कांग्रेस को भी बहुत लाभ हुआ है। समाजवादी पार्टी देश में तीसरे नंबर की पार्टी बनकर उभरी है, तो देश में दूसरे नंबर की पार्टी के रूप में कांग्रेस ने अपने प्रदर्शन को बहुत सुधारा है। पिछले दो चुनावों में वह 44 और 52 सीटों पर सिमट गई थी, जिससे मुख्य विपक्षी पार्टी और नेता प्रतिपक्ष का आधिकारिक दरजा भी उसे नहीं मिल सका। इस बार कांग्रेस के पास 20 प्रतिशत के करीब सीटें हैं और उसे मुख्य विपक्षी होने का आधिकारिक दर्जा मिल जाएगा। अत: लोकसभा में कांग्रेस के पास एक नई शुरुआत करने का मौका है।

गौर करने की बात है कि इस चुनाव में गठबंधन की बहुत बड़ी भूमिका रही है। जहां, भाजपा इस बार गठबंधन के मोरचे पर कमजोर थी, वहीं कांग्रेस ने आगे बढ़कर गठबंधन किया। यहां यह याद कर लेना जरूरी है कि गठबंधन करके आगे बढ़ने के प्रति कांग्रेस जब गंभीर नहीं थी, तब उसे सियासी नुकसान हुआ था और देश में प्रमुख दल होने का उसका गौरव भी छिन गया था। इस बार चुनाव से पहले कांग्रेस ने गठबंधन के प्रति पर्याप्त गंभीरता दिखाकर एक नए प्रकार की राजनीतिक संस्कृति को जन्म दिया है, यह संस्कृति भले ही भाजपा को उखाड़ फेंकने के लिए खड़ी हुई, पर लगता है, आने वाले कुछ वर्षों में विपक्षी गठबंधनों के लिए यही तरीका मुफीद है। जहां तक सत्ता पक्ष की बात है, समर्थन में आई कमी सोचने का अवसर है और यह सोचना तब ज्यादा सार्थक होगा, जब जनता के अनुरूप और अच्छी नीतियों के साथ कामकाज में सुधार किया जाएगा।

नजरिया

उत्तर भारत में फिर गठबंधन की गूंज

न कोई बड़ी जीत है और न कोई बड़ी हार। न कोई बड़ी लहर है, न कोई बड़ी निराशा। अठारहवें लोकसभा चुनाव के नतीजे बहुत मिले-जुले रूप में सामने आए हैं। नतीजों को अपने-अपने ढंग से देखा जाएगा। इस बार का लोकसभा चुनाव अंकुश लगाने वाला साबित हुआ है।

नीरजा चौधरी,
वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक

लगातार दो बार अपने बूते बहुमत पाने वाली भाजपा मानो थम गई है। लोगों के मन में चुनाव से पहले कई तरह की आशंकाएं थीं- कहीं हम एकदलीय निरंकुश सरकार की ओर तो नहीं बढ़ रहे? क्या संविधान में मनमर्जी का बदलाव होने जा रहा है? राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों के दलित टोलों में डर था कि यदि संविधान बदल दिया गया, तो क्या उनका आरक्षण खत्म कर दिया जाएगा? उत्तर प्रदेश के राजपूत चिंतित थे कि यदि बेलगाम सरकार आई, तो शायद वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को दिल्ली बुला ले?

सवाल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व भाजपा के आपसी रिश्ते को लेकर भी थे। इस बार कई जगहों पर संघ उस तरह सक्रिय नहीं दिखा, जितना वह पिछले चुनावों तक था। फिर, टिकट बंटवारा भी एक बड़ा मसला रहा। बाहरी लोगों को टिकट देने से पुराने कार्यकर्ता खुश नहीं थे। वे इसे 'भाजपा का कांग्रेसीकरण' कहने लगे।

इन सब विवादों को भाजपा नेतृत्व द्वारा नजरंदाज करने की नीति से यह शक गहराने लगा कि '400 पार' का नारा यूं ही नहीं दिया गया है। लिहाजा, इस जनादेश का संकेत यही है कि गठबंधन के बूते भाजपा सरकार तो बना सकती है, पर उसकी लगाम अब सहयोगी दलों के हाथों में होगी। हालांकि, यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ जरूर की जानी चाहिए, क्योंकि दस साल के शासन के बाद उनके नाम पर ही वोट मांगे गए और भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनने में सफल रही। मोदी पार्टी का चेहरा न होते, तो भाजपा के लिए इतनी सीटें जुटाना इस बार काफी मुश्किल होता।

इस चुनाव की असली कहानी उत्तर प्रदेश ने लिखी है। बाकी राज्यों का नतीजा काफी कुछ प्रत्याशित है, बेशक कुछ सीटें ऊपर-नीचे हैं। मसलन, महाराष्ट्र में शुरुआत से ही 'इंडिया' ब्लॉक के असरदार रहने के कयास लगाए जा रहे थे, जिसकी वजह थी, उद्धव ठाकरे और शरद पवार के प्रति सहानुभूति। लोगों ने देखा था कि किस तरह से इनकी पार्टियों को तोड़ा गया। यहां तक कि इनके नाम और चुनाव-चिह्न तक छीन लिए गए। इसीलिए, तंत्र व विधायकों की जुगलबंदी पर सहानुभूति की लहर भारी पड़ गई।

पश्चिम बंगाल में भी ममता बनर्जी का प्रदर्शन चौंकाता नहीं है। उन्होंने अकेले लड़कर न सिर्फ अपनी जमीन बचाई, बल्कि भाजपा से कई सीटें छीन लीं। इसी तरह, राजस्थान में यह अंदेशा था कि जाट और राजपूत की नाराजगी एनडीए को भारी पड़ सकती है और वह दिखा भी है। हरियाणा में जाट दो वजहों से सरकार से नाराज थे- किसान आंदोलन और महिला पहलवानों से दुर्व्यवहार। इसका असर नतीजों पर पड़ा। ओडिशा में भी भाजपा ने जो कमाल दिखाया है, उसकी चर्चा पहले से थी। वहां लोकसभा ही नहीं, विधानसभा चुनावों में भी बीजद को करारी मात मिली है।

बिहार की तस्वीर भी अलग नहीं है। यहां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का राजद छोड़ भाजपा का दामन थामना काम कर गया। गैर यादव, महादलित, पसमांदा मुसलमान जैसे पिछड़े समुदाय नीतीश के साथ रहे हैं, जिसमें सेंध लगाने की कोशिश तेजस्वी यादव ने चुनाव के दौरान की, मगर वह सफल नहीं हो सके। फिर, यहां भाजपा में उत्तर प्रदेश जैसा अंदरखाने कोई विवाद भी नहीं था।

जाहिर है, चौंकाने वाले नतीजे सिर्फ उत्तर प्रदेश से आए हैं। यहां समाजवादी पार्टी इतना अच्छा करेगी या कांग्रेस इतनी सीटें ले आएगी, यह किसी ने नहीं सोचा होगा। इसका एक बड़ा कारण है, सपा का नया प्रयोग। उसने 'एमवाई' का विस्तार किया, यानी मुसलमान व यादव प्रत्याशियों को बहुत कम सीटें दीं। दो दर्जन से अधिक उम्मीदवार उसने गैर-यादव ओबीसी के उतारे, दलित व जाटव को टिकट दिए। यह भी एक वजह है कि दलितों के मत सपा को गए। लगता यही है कि बसपा का आधार उससे छिटक रहा है। माना जा रहा है कि मायावती के 25 फीसदी दलित वोट सपा को मिले हैं, जबकि 10 फीसदी भाजपा को। वैसे, उत्तर प्रदेश में भाजपा की इतनी बुरी स्थिति की एक वजह राजपूतों की नाराजगी भी है। पहले दो चरणों में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के राजपूतों ने वोट देने के बजाय घर में रहने का फैसला किया था। नतीजतन, उनको मनाने के लिए भाजपा नेतृत्व को कई दौरे करने पड़े थे।

यह आम चुनाव मतदाताओं के हिंदू-मुसलमान मुद्दे से छिटकने की मुनादी भी करता है। इस बार धर्म के आधार पर ध्रुवीकरण की कई कोशिशें की गईं, लेकिन उसका जमीन पर कोई असर नहीं दिख रहा। बेशक लोग खुद को धर्म से जोड़ते हैं। यहां तक कि कई जाटवों का चुनाव-पूर्व कहना था कि यदि मायावती किसी मुस्लिम उम्मीदवार को टिकट देती हैं, तो वह भाजपा को वोट देंगे। मगर लगता यही है कि हिंदू-मुसलमान के नाम पर वे अब शायद ही तनाव चाहते हैं।

कांग्रेस के लिए यह नतीजा संजीवनी है। विशेषकर उत्तर प्रदेश में उसे फिर से पांव जमाने का मौका मिल सकता है। अमेठी व रायबरेली घूमते हुए मुझे वीपी सिंह के समय की याद आ रही थी, क्योंकि कांग्रेस नेताओं की हर पंक्ति पर लोग उसी तरह उत्साहित होते दिखते थे, जैसे वीपी सिंह के भाषणों से। तब अंदेशा था कि कांग्रेस इस भीड़ को शायद ही वोट में बदल सकेगी, क्योंकि उसके पास सांगठनिक ढांचा तक नहीं है। पर अमेठी की जीत ठोस संकेत है कि उसका एक कार्यकर्ता किसी मंत्री को मात दे सकता है। लगता है कि पार्टी ने राज्य में अपने पुनरोद्धार की ओर कदम बढ़ा दिए हैं।

साफ है, विपक्ष ने पूरा दमखम दिखाया है। संसद में मजबूत विपक्ष की वापसी कई लोगों को सुकूनदेह लग रही होगी, क्योंकि इससे सरकार और संस्थान, दोनों पर अंकुश लगाने में मदद मिलती है। मगर इसे मोदी सरकार के खिलाफ मोहभंग की शुरुआत मान सकते हैं? इसके लिए फिलहाल हमें और आंकड़ों की जरूरत होगी।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

पूरब में कहीं कड़ा मुकाबला और कहीं चल गई लहर

प्रभाकर मणि तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार

भाजपा को जिस पश्चिम बंगाल से सबसे ज्यादा उम्मीदें थीं, वहीं उसे सबसे बड़ा झटका लगा है। उसे पूर्वोत्तर के राज्य मणिपुर में भी बीते साल से जारी जातीय हिंसा और उस पर केंद्र के रवैये का खामियाजा भुगतना पड़ा है। इन दोनों राज्यों में मिले जख्मों पर वह ओडिशा विधानसभा चुनाव में मिली जीत का मरहम लगा सकती है। तृणमूल कांग्रेस का यह अब तक का दूसरा सबसे बढ़िया प्रदर्शन रहा है। इससे पहले पार्टी ने वर्ष 2014 में 34 सीटें जीती थीं। राज्य में एक बार फिर कांग्रेस के साथ तालमेल कर मैदान में उतरने वाली सीपीएम का खाता नहीं खुल सका है। पश्चिम बंगाल में वर्ष 2019 में भाजपा को 18 सीटें मिली थीं, इस बार वह यहां 30 से 35 सीटें जीतने के दावे कर रही थी। उसने इसके लिए संदेशखाली, नागरिकता संशोधन कानून और तमाम भर्ती घोटालों को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाया था, लेकिन उसका कोई भी हथियार कारगर साबित नहीं हुआ। सीटें बढ़ाना तो दूर, वह अपनी पिछली सीटें भी नहीं बचा सकी। उत्तर 24-परगना जिले में संदेशखाली के जिस मुद्दे को बंगाल में महिलाओं पर होने वाले अत्याचार से जोड़कर पार्टी ने महिला वोट बैंक में सेंध लगाने का प्रयास किया था, वह भी पूरी तरह बेअसर रहा।

लोकसभा चुनाव की शुरुआत से कहा जा रहा था कि बंगाल उन चुनिंदा राज्यों में से है, जहां भाजपा के लिए अपनी सीटें बढ़ाने का बेहतरीन मौका है। उसे चुनाव के एलान से पहले संदेशखाली के तौर पर एक बड़ा चुनावी मुद्दा भी मिल गया था, लेकिन एक स्टिंग वीडियो ने इस मुद्दे को तृणमूल कांग्रेस का सबसे बड़ा हथियार बना दिया। भाजपा के केंद्रीय नेताओं ने ओबीसी और मुस्लिम आरक्षण का मुद्दा उठाकर धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण की भी कोशिश की, लेकिन इसका असर उल्टा हुआ। अल्पसंख्यक वोटबैंक तो एकजुट हो गए, लेकिन हिंदू वोटर कई खेमों में बंट गए। भाजपा को पश्चिम बंगाल में जिस नागरिकता संशोधन कानून से सबसे ज्यादा उम्मीद थी, वह भी फ्लॉप रहा। राज्य की कई सीटों पर मतुआ मतदाता निर्णायक हैं, उनको ध्यान में रखते हुए ही पार्टी ने यहां चुनाव से ठीक पहले इस कानून को लागू किया था, लेकिन यह मुद्दा भी बेअसर रहा।

चुनावी नतीजों ने एक बार फिर बता दिया है कि बंगाल पर तृणमूल कांग्रेस की पकड़ अभी कमजोर नहीं हुई है। पूर्वोत्तर भारत में भाजपा की स्थिति में खास बदलाव नहीं आया है। उसे मणिपुर की एक सीट गंवानी पड़ी है। अरुणाचल विधानसभा में दोबारा बहुमत हासिल करने के अलावा उसने राज्य की दोनों लोकसभा सीटें भी जीत ली हैं, असम में उसकी स्थिति कमोबेश पहले जैसी ही है। वर्ष 2019 में भाजपा ने पूर्वोत्तर की 25 में से 14 सीटें जीती थीं। इस बार भी इसके आस-पास ही है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि बंगाल में यह चुनाव ममता बनर्जी सरकार की कथित नाकामियों और प्रदेश में महिलाओं की कथित बदहाली के मुद्दे पर लड़ा गया था। यह चुनाव मोदी बनाम ममता था, जिसमें राज्य के लोगों ने एक बार फिर ममता बनर्जी पर ही भरोसा जताया है। भाजपा के तमाम मुद्दे और धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण की कोशिशों को राज्य के लोगों ने नकार दिया है।

भाजपा ओडिशा के लोकसभा और विधानसभा चुनाव के नतीजे का इस्तेमाल अपने जख्मों पर मरहम के रूप में कर सकती है। इलाके में यही उसके लिए एकमात्र राहत की बात है। यह बात अलग है कि इससे बंगाल में लगे झटके व नुकसान की भरपायी संभव नहीं होगी। अब इन नतीजों के बाद भाजपा में केंद्रीय नेतृत्व के खिलाफ असंतोष भी दिखने लगा है। पार्टी के पुराने नेताओं का आरोप है कि दलबदलुओं को टिकट देने और तमाम नीतियां दिल्ली से थोपने के कारण ही पार्टी को यहां इतना भारी नुकसान उठाना पड़ा है। तमाम बातें पक्ष में होने और इस बार बंगाल में पहले के मुकाबले शांतिपूर्ण चुनाव के बावजूद यदि भाजपा अपनी सीटों को बचाने में नाकाम रही, तो साफ है कि संगठन में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा। उसे बंगाल को लेकर अपनी रणनीति पर नए सिरे से विचार करना होगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सबकी नजरें सजा पर टिकी

ऐतिहासिक फैसले में न्यूयॉर्क की अदालत ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को हश मनी मामले में दोषी करार दिया। पहली बार है, जब किसी पूर्व या मौजूदा राष्ट्रपति को दोषी करार दिया गया। वह भी 34 मामलों में। ट्रंप को 11 जुलाई को सजा सुनाई जाएगी। उन्हें जेल जाना पड़ सकता है। ट्रंप ने इस फैसले को अपमानजनक कहा और अध्यक्षता करने वाले जज को भ्रष्ट बताया। वे इसके खिलाफ अपील करेंगे। ट्रंप पर आरोप है कि 2016 में उन्होंने स्कैंडल से बचने के लिए पोर्न फिल्म स्टार को मुंह बंद रखने को कानूनी खर्च के तौर पर गुप्त रूप से मोटी रकम चुकाई थी जो उनके विवाहेतर संबंधों की कहानी अखबार को बेचने की बात कर रही थी।

विशेषज्ञों के अनुसार जिन मामलों में पूर्व राष्ट्रपति दोषी ठहराए गए हैं, उनमें जेल की सजा की संभावनाएं बहुत कम हैं, बल्कि मोटा जुर्माना लगने की संभावना अधिक है। यह भी किउन्हें घर पर नजरबंद रखा जा सकता है। अमेरिकी संविधान के मुताबिक जेल होने पर भी ट्रंप की उम्मीदवारी को आंच नहीं आ सकती। उनकी पार्टी ने व्हाइट हाउस की दौड़ में शामिल ट्रंप पर अपना भरोसा भी जताया है जबकि अभी औपचारिक रूप से राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार घोषित किया जाना बाकी है।

पार्टी के आधे से अधिक पदाधिकारियों का उन्हें पहले से समर्थन प्राप्त है। कहा जा रहा है, उनमें से कुछ के इस फैसले से प्रभावित होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। मैनहट्टन डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी के दफ्तर द्वारा जब ट्रंप पर लगे आरोपों को घोर अपराध की श्रेणी में शामिल किया गया था तभी उनके विरोधियों को भरोसा हो गया था कि वे चुनाव से पहले मुसीबतों में घिर सकते हैं। उन्होंने इसे कानूनी मानने की बाजाय राजनीतिक एक्सरसाइज करार दिया।

पहले से ही माना जा रहा है कि सारी कवायद चुनाव को लेकर ही चल रही है। व्यवसायी होने के बावजूद ट्रंप सधे हुए राजनीतिज्ञ साबित हुए हैं। विरोधियों को टक्कर देने के मामले में पूरा दम-खम लगाने से नहीं चूकते। उन्हें युवाओं और जोशीले लोगों का समर्थन रहा है जिनके बारे में आकलन है कि वे अपने नेता के प्रति समर्पित बने रहने में कोताही नहीं करेंगे। हालांकि सबकी नजरें अब सजा पर टिकी हैं, जो अमेरिकी इतिहास ही नहीं, दुनिया भर के राजनीतिज्ञों के लिए ऐतिहासिक साबित हो सकती है।

(आरएनएस)

पश्चिम में महाराष्ट्र ने उलझा दिया, पर गुजरात में फिर भगवा लहराया

रोहित चंदावरकर, वरिष्ठ पत्रकार

साल 2024 के चुनावी मौसम में भाजपा ने जिन दो राज्यों पर सबसे अधिक ध्यान केंद्रित किया था। यह सोचकर कि ये सबसे ज्यादा मायने रखते हैं, क्योंकि वे लोकसभा में सबसे ज्यादा संख्या में सांसद भेजते हैं, पर उत्तर प्रदेश के साथ ही महाराष्ट्र ने भी भाजपा को बड़ा झटका दिया है। एनडीए गठबंधन को यहां बहुत नुकसान हुआ है। महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और शिव सेना से अलग हुए समूहों को साथ लेकर भाजपा 48 में से लगभग 40 सीटें जीतने के दावे कर रही थी। उत्तर प्रदेश की तरह ही महाराष्ट्र में जनादेश एक हद तक इंडिया ब्लॉक के पक्ष में रहा है। महाराष्ट्र में काफी वर्षों बाद कांग्रेस पार्टी दोहरे अंक में पहुंच गई, जिसकी उम्मीद नहीं थी।

यहां जो बात साफतौर पर सामने आई है, वह यह है कि यह राज्य में राजनीतिक दलों के बीच हुई फूट के बारे में जनता की प्रतिक्रिया अब सामने आ गई है। 2024 का लोकसभा चुनाव पहला अवसर था, जब जनता को विभाजन पर प्रतिक्रिया देने का मौका मिला। खुले तौर पर भाजपा ने यही कहा था कि उसका इस विभाजन से कोई लेना-देना नहीं है, पर विपक्षी नेताओं ने खुलकर बात रखी और लोगों के बीच संदेश चला गया। महाराष्ट्र की दो सबसे बड़ी क्षेत्रीय पार्टियों से कुछ नेताओं को तोड़कर और फिर राज्य सरकार को गिराने की योजना राज्य की जनता को रास नहीं आई है। राज्य के कई हिस्सों में उद्धव ठाकरे और शरद पवार के लिए मूक सहानुभूति लहर थी, जिन्होंने अपना चुनाव चिह्न तक खो दिया था। मुंबई, पश्चिमी महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में लहर देखी गई और इसने स्पष्ट रूप से राज्य में इंडिया ब्लॉक को बढ़ावा दिया। प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध से उत्तर महाराष्ट्र, पश्चिमी महाराष्ट्र और मराठवाड़ा जैसे कई हिस्सों में किसानों को नुकसान हुआ। वे आंदोलन करते रहे, पर केंद्र द्वारा इस मुद्दे पर कोई कार्रवाई नहीं की गई, जिसके परिणामस्वरूप थोक बाजार में प्याज की बहुतायत हो गई और कीमतें गिर गईं।

चौथा कारक, जिसने राज्य के कई क्षेत्रों में चुपचाप लेकिन दृढ़ता से काम किया, वह था मराठा आरक्षण पर नाराजगी। महाराष्ट्र के लोकसभा नतीजों का असर दूरगामी होने वाला है। चूंकि राज्य में इस साल अक्तूबर में विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए भाजपा में उच्चतम स्तर पर इस बात को लेकर काफी सोच-विचार हो रहा है कि समस्याओं से कैसे निपटा जाए। निकट भविष्य में महाराष्ट्र कुछ चेहरे बदल सकते हैं, कुछ रणनीतियां बदल सकती हैं, कोई नहीं जानता कि पाइपलाइन में क्या है, लेकिन यह स्पष्ट है कि महाराष्ट्र ने भाजपा को एक बड़ा झटका दिया है और पार्टी की रणनीतियां स्पष्ट रूप से महाराष्ट्र में पूरी तरह से गलत साबित हुई हैं। यह भाजपा के सहयोगियों के लिए भी विचार का समय होगा। जहां तक पश्चिमी राज्य गुजरात का प्रश्न है,नतीजे लगभग भाजपा की उम्मीद के अनुरूप ही आए हैं। केवल एक सीट बनासकांठा पर भाजपा को अपने भविष्य के बारे में सोचने होगा। गुजरात ने फिर एक बार नरेंद्र मोदी को ताकत दी है।

एक अन्य राज्य, गोवा में भाजपा की सरकार है, पर यहां बहुत कांटे की टक्कर हुई है, एक सीट भाजपा की झोली में गई है, तो एक सीट कांग्रेस जीतने में कामयाब हुई है। यहां भाजपा और कांग्रेस ने अपना-अपना गढ़ बनाए रखा है। सेंध लगाने की कोशिश नाकाम हुई है। दादरा नगर हवेली में भाजपा को बड़ी जीत मिली है, जबकि दमन दीव में तगड़ा संघर्ष देखने को मिला है। कुल मिलाकर, भाजपा के लिए पश्चिमी भारत का एक बड़ा हिस्सा चुनौतीपूर्ण साबित हुआ है। भाजपा ने पश्चिमी भारत में पूरे दमखम के साथ चुनाव लड़ा था, पर उसे उम्मीद के मुताबिक कामयाबी नहीं मिली है। भाजपा को अब अपनी रणनीति की गंभीरता से समीक्षा करनी पड़ेगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

विवाद और बवंडर का विषय बना

अवधेश कुमार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र प्रधानमंत्री का कन्याकुमारी के विवेकानंद शिला स्मारक में ध्यान करना जितने बड़े विवाद और बवंडर का विषय बना उसे बिल्कुल स्वाभाविक नहीं माना जा सकता। भारत सहित विश्व समुदाय को प्रेरणा देने वाले विवेकानंद के ध्यान स्थल से जुड़े इस केंद्र पर प्रधानमंत्री जाकर ध्यान करते हैं तो इसका संदेश सर्वत्र जाता है और लोगों में भी विवेकानंद के जैसा बनने, विपरीत परिस्थिति में ध्यान करने और स्वयं को नियंत्रित कर देश के लिए काम करने की प्रेरणा मिलती है।

विपक्ष ने यद्यपि बुद्धिमत्तापूर्वक कहा कि वे ध्यान साधना का विरोध नहीं कर रहे, क्योंकि उन्हें लगता था कि ऐसा करने से भाजपा को चुनावी लाभ हो जाएगा। इसलिए इसके टीवी कवरेज पर आपत्ति व्यक्त की गई। अलग- अलग पार्टियां चुनाव आयोग के पास गई भी। प्रधानमंत्री या कोई नेता चुनाव प्रचार के बाद या बीच में किसी धर्मस्थल या प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थल पर जाएं, वहां पूजा, प्रार्थना, ध्यान या अन्य साधना करें उस पर चुनाव आयोग या कोई भी संवैधानिक संस्था कैसे रोक लगा सकती है? विपक्ष के नेताओं ने भी पूरे चुनाव में परिश्रम किया है और उन्हें भी ध्यान साधना और शारीरिक, मानसिक संतुलन व शांति के लिए पहले से ऐसी कुछ योजना बनानी चाहिए थी। भारत में अनेक ऐसे धार्मिक साधना स्थल हैं जहां जाकर आप शारीरिक-मानसिक थकान से आध्यात्मिक कृतियों के द्वारा मुक्ति पा सकते हैं। ऐसी जगह भी है जहां जाकर एक दो दिनों के विश्राम से आपको विशेष शांति और शक्ति मिलती है। अगर विपक्ष के नेताओं में ऐसी दृष्टि नहीं है तो इसका मतलब यह नहीं कि प्रधानमंत्री या कोई भी सत्तारूढ़ पार्टी का नेता उस दिशा में न सोचें न करें। राहुल गांधी, ममता बनर्जी, अखिलेश यादव, प्रियंका वाड्रा, अरविंद केजरीवाल, उद्धव ठाकरे, शरद पवार सभी चाहें तो कहीं न कहीं ऐसी साधना कर सकते थे और उन्हें भी टेलीविजन या मीडिया का कवरेज मिलता। नेताओं में वाकई ध्यान और साधना की प्रतिस्पर्धा हो तो यह देश और संपूर्ण मानवता के लिए कल्याणकारी होगा।

जब आध्यात्मिक दृष्टि से आपके शरीर और मन के बीच संतुलन स्थापित होता है तो उसके साथ सकारात्मक दृष्टि भी विकसित होती है जहां से केवल सबके कल्याण के भाव से ही विचार पैदा हो सकते हैं। जब 2014 का चुनाव प्रचार समाप्त हुआ तब नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे। उन्होंने शिवाजी के रायगढ़ किले में जाकर ध्यान किया था। शिवाजी हमारे देश में भारतीय संस्कृति और हिंदुत्व की दृष्टि से प्रेरक और आदर्श व्यक्तित्व हैं। शिवाजी जैसे महापुरु ष के प्रति अगर विपक्ष के अंदर ऐसा भाव पैदा नहीं होता तो इसके लिए वही दोषी हैं।

2019 के चुनाव प्रचार की समाप्ति के बाद प्रधानमंत्री उत्तराखंड के केदारनाथ गए थे और वहां उन्होंने गुफा में ध्यान और साधना की। यह मान लेना कि इस प्रकार की ध्यान साधना या पूजा पाठ के मीडिया कवरेज के प्रभाव में आकर पहले से किसी और को मत देने का मन बनाए मतदाता अचानक पलट कर भाजपा को वोट देने लगेंगे उचित नहीं लगता। मतदाताओं के पास भी सही गलत का निर्णय करने का विवेक है। विपक्ष इसे प्रधानमंत्री मोदी के मतदाताओं को आकर्षित करने की रणनीति मानता था तो उसे भी इसकी काट में रणनीति अपनानी चाहिए। विरोधियों ने प्रधानमंत्री की ध्यान साधना को राजनीतिक मुद्दा बना दिया।

किसी भी देश का शीर्ष ध्यान साधना या अपने आध्यात्मिक कर्मकांड या फिर छुट्टियां मनाने जाएगा तो उसे मीडिया का कवरेज मिलेगा। यह भी सच है कि प्रधानमंत्री को जितना कवरेज मिलेगा उतना किसी अन्य नेता को नहीं मिल सकता, लेकिन दूसरे नेता अपना कार्यक्रम इतने ही प्रेरणादायी व सकारात्मक बनाएं तो मीडिया उन्हें नजरअंदाज नहीं कर सकता। वैसे भी विरोधियों ने प्रधानमंत्री मोदी को खलनायक साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

उत्तर प्रदेश में जब से योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री बने हैं उनके प्रति भी विरोधियों का रवैया यही है। स्वयं प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले केवल मोदी बोलते थे अब उसमें योगी को जोड़ दिया। योगी समर्थक यह बोलते हैं कि विरोधियों को उनके भगवा वस्त्र से, अपराधियों के विरु द्ध कार्रवाई से या हिंदुत्व के प्रति प्रखरता से समस्या है तो इसका जवाब उनके पास नहीं होता। विवेकानंद शिला स्मारक पर जाने वाले या उसकी प्रशंसा करने वाले ज्यादातर नेताओं को शायद यह पता नहीं होगा कि उसके निर्माण के पीछे भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की मुख्य भूमिका थी। 1963 में स्वामी विवेकानंद के जन्म शताब्दी के समय लोगों ने उस चट्टान के पास एक स्मारक बनाने का निश्चय किया लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। संघ ने अपने उस समय के वरिष्ठ प्रचारक एकनाथ रानडे को इस काम में लगाया। उस समय तमिलनाडु के मुख्यमंत्री भक्तवत्सलम ने स्मारक में मदद से मना कर दिया। तत्कालीन केंद्रीय संस्कृति मंत्री हुमायूं कबीर ने भी सहयोग से इनकार किया।

संघ ने निर्णय कर लिया था और उनके लोग लग गए थे तो वे लगे रहे। सांसदों से भेंट की गई। 300 से ज्यादा सांसदों से हस्ताक्षरित समर्थन लिया गया। फिर तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने उसके निर्माण की अनुमति दी। 1972 में विवेकानंद केंद्र बना जो वहां अनेक प्रकार के कार्यक्रम करता है। भारत सहित विश्व के हजारों लोगों ने उस स्थान से अपना जीवन बदला या समाज को बदलने का की प्रेरणा लेकर काम किया है। बहुत सारे लोग तो आज अभी कहेंगे कि संघ विवेकानंद की क्यों बात करती है, विवेकानंद के हिंदुत्व से संघ का क्या लेना देना। कहने की आवश्यकता नहीं कि इस तरह की आलोचना केवल लंबे समय से पाले गए और स्वाभाविक दुराग्रह की परिणति होती है।

वहीं से ऐसे विरोध पैदा होते हैं जिनका आम जनता पर असर न के बराबर होता है। राजनीति और विशेष कर चुनावी रणनीति अपनी जगह है। प्रधानमंत्री द्वारा विवेकानंद शिला स्मारक में किया जा रहा ध्यान और साधना इस देश की शांति समृद्धि का कारण बने ऐसी हम सबको कामना करनी चाहिए। अच्छा हो कि देश के ज्यादातर शीर्ष नेता इसी तरह कोई स्थान चुनकर आत्मोन्नित और भारत राष्ट्र तथा मानवता के कल्याण का लक्ष्य लेकर सिद्ध स्थलों पर ध्यान साधना आदि करें। कल्पना करिए अगर नेताओं के बीच ऐसी सकारात्मक प्रतिस्पर्धा हो जाए तो फिर कितना सुखद वातावरण बनेगा तथा उसका सकारात्मक असर हम सब पर होगा।

(ये लेखक के विचार हैं)

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE 93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

रमन (प्रा.) आई.टी.आई.
Recognised by: NCVT & DGT NEW DELHI, GOVT. OF INDIA
COPA
कोपा
STENOGRAPHER (Hindi)
स्टेनोग्राफर (हिन्दी)
योग्यता 10वीं उत्तीर्ण
(एक वर्षीय पाठ्यक्रम) - प्रवेश प्रारंभ
प्रवेश लेने पर फीस में विशेष छूट
एवं फीस मासिक किस्तों में
शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति योजना
Raman I.T.I. : बाबा दीप सिंह नगर (वैशालीनगर), भिलाई, जिला-दुर्ग, छ.ग.
Call : 0788-4033571, 7389471941, 0788-4903573 4903572, 7773027492

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

छत्तीसगढ़ में गर्मी के बीच बदला मौसम, आज छाए रहेंगे बादल

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अब मौसम का मिजाज बदलने लगा है और तापमान में गिरावट के साथ ही कुछ क्षेत्रों में हल्की बारिश भी हुई। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को भी प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में बादल छाने के साथ ही अंधड़ व बिजली गिरने की भी संभावना है, कुछ क्षेत्रों में हल्की बारिश भी होगी। विभाग का कहना है कि अब प्रदेश में दक्षिण पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने की गतिविधि बड़ी तेजी से होने लगी है तथा बस्तर क्षेत्र में आठ जून तक मानसून प्रवेश कर सकता है। मंगलवार सुबह से ही रायपुर सहित प्रदेश भर में मौसम शुष्क रहा। अधिकतम तापमान में गिरावट के साथ ही कुछ क्षेत्रों में हल्की बारिश भी हुई। प्रदेश भर में मुंगेली सर्वाधिक गर्म रहा,एडब्ल्यूएस मुंगेली का अधिकतम तापमान 43.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रायपुर का अधिकतम तापमान 42.2 डिग्री रहा,जो सामान्य से 0.2 डिग्री कम है। मिली जानकारी के अनुसार एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण पूर्वी उत्तरप्रदेश के ऊपर 1.5 किमी ऊंचाई तक फैला हुआ है। इसके प्रभाव से बुधवार को प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में अंधड़ चलने व हल्की बारिश की उम्मीद है।

जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

रायगढ़। क्षेत्रीय कार्यालय छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, रायगढ़ के द्वारा 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'भूमि का पुनरोद्धारा, मरूस्थलीकरण और सूखे से निपटने की शक्ति' विषय पर जन जागरूकता हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसके तहत कविता वाचन प्रतियोगिता (कक्षा 9 वीं से कक्षा 12 वीं), पेटिंग (कक्षा 6 वीं से कक्षा 9 वीं), भाषण (महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं स्तर पर)एवं इको फैन्डली क्राफ्ट निर्माण(सभी वर्गो हेतु) प्रतियोगिता 5 जून को प्रात: 9 बजे से किरोड़ीमल शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ में आयोजित की जाएगी। उक्त सभी प्रतियोगिता में सभी वर्गो में पृथक-पृथक पुरस्कार (प्रथम 1000 रु., द्वितीय 700 रु. एवं तृतीय 500 रु.)प्रदान किया जाएगा। प्रतियोगिता हेतु रजिस्ट्रेशन पूर्णत: नि:शुल्क है तथा प्रतियोगिता स्थल पर भी रजिस्ट्रेशन करा सकते है। क्षेत्रीय अधिकारी कार्यालय छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, रायगढ़ के सभी छात्र-छात्राएं एवं युवा वर्ग को उपरोक्त कार्यक्रम में सम्मिलित होने हेतु आग्रह किया गया है। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए मोबा.नं.87705-65998 एवं 93406-40874 में संपर्क कर सकते है।

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा : डिप्टी कलेक्टर महेश शर्मा नोडल अधिकारी नियुक्त

रायगढ़। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल रायपुर द्वारा 9 जून 2024 को पीएटी, पीव्हीपीटी, बीएससी , बीएससी(उद्यानिकी), पशुपालन में डिप्लोमा, मत्स्यि की विज्ञान में डिप्लोमा परीक्षा आयोजित की जाएगी। कलेक्टर ने परीक्षा के सफल संचालन हेतु डिप्टी कलेक्टर महेश शर्मा मोबा.नं.77468-59383 को नोडल अधिकारी एवं सहायक समन्वयक राजीव गांधी शिक्षा मिशन भुवनेवर पटेल मोबा.नं.70000-81311 को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

कोरबा की देवतुल्य जनता को निराश नहीं होने देंगे : ज्योत्सना महंत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा लोकसभा क्षेत्र से दूसरी बार भरोसा जताए जाने पर सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत ने लोकसभा क्षेत्र की जनता के प्रति बारंबार आभार व्यक्त किया है। कहा है कि जनता के आशीर्वाद के बिना यह कठिन लड़ाई जीतना संभव नहीं था, हमने मिलकर सब के सहयोग से कार्यकर्ताओं के बलबूते यह चुनाव जीता है,यह जीत समस्त कार्यकर्ताओं व कोरबा लोकसभा क्षेत्रवासियों को समर्पित है।

नेता प्रतिपक्ष डॉ.चरण दास महंत एवं सांसद ने कहा है कि कोरबा लोकसभा क्षेत्रवासियों का जो स्नेह और आशीर्वाद महंत परिवार को सदैव मिलता रहा है, उसके लिए महंत परिवार सदैव ऋणी रहेगा। सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत ने अपनी जीत का श्रेय कांग्रेस के कार्यकर्ताओं, बूथ के कार्यकर्ताओं की मेहनत को देते हुए कहा कि ये सभी कार्यकर्ता मेरी शक्ति बने। डॉ. चरणदास महंत और पूरे महंत परिवार को भी वे जीत का श्रेय देना चाहती हैं जो मेरी ताकत बने। यह जीत सभी कार्यकर्ताओं को समर्पित है। सांसद ने कहा कि कोरबावासियों की आवाज कभी भी दबने नहीं दी जाएगी और देवतुल्य कोरबा लोकसभा क्षेत्र की जनता को हम निराश नहीं होने देंगे। दिल्ली में कोरबा लोकसभा की आवाज और भी मजबूत होकर उठाई जाएगी। डॉ. महंत एवं सांसद ने समस्त जिला कांग्रेस के पदाधिकारियों, सदस्यों सभी कार्यकर्ताओं, बूथ पदाधिकारी, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, सोशल मीडिया सेल, इंटक और कांग्रेस के सभी सहयोगी संगठनों एवं दलों के साथ-साथ पूरे चुनाव में कंधे से कंधा मिलाकर साथ देने वाले विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी एवं शुभचिंतकों के प्रति भी अपनी कृतज्ञता व्यक्त की है।

कोरबा विधानसभा से कम वोट मिलने के सवाल पर कहा कि पिछले बार भी यहां से 35 हजार माइनस था और इस बार ज्यादा माइनस हुआ है। अब इसमें कहां कमी रह गई इसे देखा जाएगा लेकिन जिस तरह से मैने पांच साल कोरबा का ध्यान रखा, अगले पांच साल भी कोई कमी नहीं रहेगी। प्रदेश के परिणाम पर कहा कि कहां कोई गलती रह गई है, कहां कोई चूक हुई है कि मेरे कई साथी जीत नहीं पाए हैं, जिसका मुझे बेहद दु:ख है किन्तु प्रदेश के परिणाम की समीक्षा पार्टी करेगी।

बजरंगबली के दरबार पहुंचीं सांसद

मतगणना के दौरान रूझानों में आगे रहने और जीत की खबर मिलने पर मतगणना स्थल पहुंचने से पहले ज्योत्सना महंत ने कोसाबाड़ी स्थित श्री सिद्ध मंशापूर्ण हनुमान मंदिर में पहुंचकर मत्था टेका व आशीर्वाद लिया। इसके पश्चात वे मतगणना स्थल के लिए रवाना हुई।

भूमि को पुनर्जीवित करने स्टूडेंट ने बनाई अनोखी लीफ ग्रैंडिंग मशीन

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। भारतमाता आंग्ल माध्यम शाला रेलवे कालोनी के स्टूडेंट ने एक बार फिर कमाल किया है। इको क्लब नेचर बाडीज से जुड़े बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण को महत्व देते हुए एक ऐसी अनोखी मशीन तैयार की है, जो वृक्षों की सूखी पत्तियों को महीन कर उसे मात्र 30 दिन में कंपोस्ट खाद में बदल देते हैं। प्राकृतिक रूप से उर्वरा शक्ति से भरपूर यह खाद भूमि को पुनर्जीवित करने पूरी तरह से सक्षम है। हमारी भूमि, हमारा भविष्य है। इस ध्येय वाक्य के साथ भारतमाता आंग्ल माध्यम शाला इको क्लब नेचर बाडीज से जुड़े नवाचारी स्टूडेंट ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है।

छात्रा हिमांगी हालदार ने अपने रिसर्च टीम के साथ मिलकर एक खास लीफ ग्रैंडिंग मशीन का निर्माण किया है। इसकी सबसे अच्छी विशेषता यह कि मशीन कुछ ही मिनट में वृक्ष के सूखे पत्तों को बारिक काट देती है। इसे एकत्र कर टीम के सदस्य ग्रीन स्टोर में पानी का छिड़काव कर कंपोस्ट खाद बनाते हैं, इस पूरी प्रक्रिया में लगभग 30 दिन का समय लगता है।

आमतौर पर वृक्ष के पत्तों को खाद के रूप में परिवर्तित होने में 90 दिन से अधिक का समय लगता है। ऐसा इसलिए कि इसमें समय-समय पर पानी के साथ इसे पलटते रहते हैं। यह कंपोस्ट खाद्य इतना उपजाऊ है कि भूमि को उर्वराशक्ति को बढ़ाने में भी सक्षम है। वहीं शहर में बड़ी संख्या में वृक्ष हैं जिनके पत्तों को कचरा के बजाए एकत्र कर खाद बनाई जा सकेगी।

रासायनिक उर्वरक नहीं अब प्राकृतिक

शाला के विज्ञान शिक्षक पानू हालदार के दिशा निर्देशन में तैयार यह खाद किसी भी प्रकार से मिट्टी में उपस्थित जीवाणुओं को नुकसान नहीं पहुंचाते। उसकी उर्वरा को बनाए रखने में भी सक्षम है। मरुस्थलीकरण को रोकने में सबसे उत्तम है। यह रसायनिक उर्वरकों को प्राकृतिक में बदल देता है। पोषक तत्वों से भरपूर इस खाद से कोई हानि नहीं होती।

छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण ने सराहा

नवाचारी बच्चों के इस प्रयोग को लेकर छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल रायपुर ने इको क्लब के प्रयास को सराहा है। शाला के प्राचार्य फादर सलीन पी का कहना था कि छात्र छात्राओं की रिसर्च टीम कई महीनों से इस पर काम कर रही है। खाद में उपस्थित पोषक तत्वों व उसके उपयोग की जानकारी के बाद हमने पाया कि यह बंजर भूमि को भी हराभरा बना देगी। पर्यावरण को लेकर बच्चों की यह सोच मील का पत्थर साबित होगा।

नवग्रह शनि मंदिर में उत्सव का आयोजन कल

रायपुर। श्री नवग्रह शनि देव मंदिर एसएमसी हास्पिटल के पास विधानसभा रोड में शंकर नगर में शनि शिंगनापुर से लाए गये विशेष पूजित श्रीचरण भक्तों के दर्शन के लिए रखे जाएंगे उक्त आयोजन प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी शनि देव जयंती के अवसर पर 6 जून को शनि देव का जन्मोत्सव मंगल आरती के साथ सुबह 7 बजे, हवन सुबह 9 बजे विशेष पुष्प श्रृंगार तेल अभिषेक दिन भर प्रसादी भंडारी दोपहर 12 बजे से एवं महाआरती का आयोजन शाम 7 बजे श्रद्धालुओं द्वारा धूमधाम से विधि अनुसार संपन्न किया जाएगा। मीन राशि में शनि देव की साढ़े साती एवं वृश्चिक एवं कर्क राशि में अढैया की दशा चल रही है।

निर्वाचन प्रक्रिया में सहयोग करने वाले सभी के प्रति आभार व्यक्त किया

मोहला। कलेक्टर एस जयवर्धन ने लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 78 मोहला मानपुर के अंतर्गत निर्वाचन प्रक्रिया, मतदान एवं मतगणना प्रक्रिया में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी के प्रति आभार व्यक्त किया है। कलेक्टर ने राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों, अभ्यार्थियों, निर्वाचन में नियुक्त अधिकारी-कर्मचारी, मतदान एवं मतगणना दिवस पर नियुक्त अधिकारी-कर्मचारी, जिले के नागरिक गणों, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों, जनसम्पर्क विभाग, महिला बाल विकास विभाग (डाक मत पत्र), आयकर विभाग, जिला एवं पुलिस प्रशासन, सुरक्षा में लगे जवानों, जिला बल, केंद्रीय पुलिस बल और आई टी बी पी के जवानों, परिवहन में लगे लोगों, संचार में सहयोग के लिए बी एस एन एल दूरसंचार कंपनी, समेत सभी निर्वाचन गतिविधियों में भाग लेने वाले समस्त विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया है। कलेक्टर ने कहा कि सभी के सहयोग से जिले में निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन कार्य संपन्न हो सका है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन के दौरान सभी ने जिले की गरिमा को बनाये रखने में अपना योगदान दिया है। उन्होंने सभी के प्रति निर्वाचन कार्य को संपन्न करने के लिए दियें गये सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया है।

ऐतिहासिक सफलता पर भाजपा जनों ने मनाया जश्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी को छत्तीसगढ़ के 11 संसदीय क्षेत्र में से 10 संसदीय क्षेत्र में मिली ऐतिहासिक सफलता पर भाजपा जनों ने जश्न मनाया।

एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में काफी संख्या में उपस्थित भाजपा नेताओं, पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने प्रदेश में भाजपा को मिली प्रचंड जीत को पूरी विनम्रता से स्वीकार कर इसे पूरे छत्तीसगढ़ की जीत बताया है।

पार्टी के नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर अपना अटूट विश्वास व्यक्त कर विकसित भारत-विकसित छत्तीसगढ़ की संकल्पना को साकार करने और विश्व मंच पर भारत के गौरव को पुनर्प्रतिष्ठित करने के लिए प्रदेश की जनता का हृदय से आभार मानकर बधाई भी दी है।

मंगलवार की शाम एकात्म परिसर में भाजपा जनों ने जबरदस्त जश्न मना कर होली और दिवाली का आतिशी व रंगीन नजारा प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर विधायक एवं प्रदेश प्रवक्ता राजेश मूणत, विधायक मोतीलाल साहू, पुरंदर मिश्रा, गुरू खुशवंत साहेब, जिलाध्यक्ष जयंती पटेल, पूर्व विधायक नंदे साहू, छगनलाल मूंदड़ा,पूर्व जिला अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, प्रदेश मंत्री किशोर महानंद, अशोक बजाज, मिनल चौबे, अमरजीत छाबड़ा, हरीश ठाकुर, प्रवक्ता प्रवीण साहू, सुनील चौधरी सहित भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहें।

बाल कलाकारों ने लघु नाटकों के जरिए दी पर्यावरण बचाने की जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा विधानसभा रोड स्थित शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में रविवार को विश्व पर्यावरण दिवस को लेकर परिचर्चा आयोजित की गई।

कार्यक्रम में वन विभाग के अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षण (वन्य जीवन) प्रेम कुमार, अपर प्रधान मुख्य वन सरंक्षक (विकास योजना) अरूण कुमार पाण्डे और प्रधान मुख्य वन सरंक्षक अनिल कुमार साहू ने भाग लिया। अध्यक्षता ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने किया। चर्चा का विषय था -पर्यावरण सरंक्षण और हमारा दायित्व।

इस अवसर पर बोलते हुए अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षण (वन्य जीवन) प्रेम कुमार ने कहा कि वर्तमान समय प्रदूषण इतना विकराल रूप ले चुका है कि हरेक को अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी समझने की जरूरत है। पर्यावरण को सरंक्षित और

सवंर्धित करने के लिए जहाँपर भी खाली जगह मिले वहाँ पेड़ लगाकर प्रकृति से जुड़ें।

उन्होंने कहा कि अगर जीवन में खुशी चाहते हैं तो अधिक से अधिक पेड़ लगाएं और उनका संवर्धन करें। जब तक हम आत्म केन्द्रित रहेंगे तब तक अपना और प्रकृति का विनाश करते रहेंगे। हम मनुष्यों ने मिलकर विनाश की लीला रची है। इसलिए हमें ही इसे ठीक करना होगा। वर्तमान समय पर्यावरण की रक्षा के लिए आन्दोलन शुरू करने की आवश्यकता है। इसके लिए हमें मिल जुलकर कार्य करना होगा।

अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षण (विकास योजना) अरूण कुमार पाण्डे ने कहा कि कार्बन के उत्सर्जन को कम करना हमारे हाथ में नहीं है किन्तु हम पेड़ लगाकर उसके दुष्प्रभाव को कम कर सकते हैं। उन्होंने सभी से अपील करते हुए कहा कि आगामी बरसात के समय हरेक व्यक्ति कम से कम एक पीपल का पेड़ लगाए तो वह पर्यावरण संरक्षण के कार्य में बहुत बड़ा योगदान कर सकता है। पीपल ऐसा अनोखा पेड़ है जो कि रात में भी आक्सीजन प्रदान करता है।

प्रधान मुख्य वन संरक्षण अनिल कुमार साहू ने छोटे-छोटे बच्चों के द्वारा प्रस्तुत वृक्ष हमारे जीवन का आधार नामक नृत्य नाटिका की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों में प्रकृति के संरक्षण के प्रति जज्बात पैदा करना बहुत ही अच्छा प्रयास है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक सन्तुलन बिगडऩे से मानव का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। पर्यावरण की रक्षा के लिए हमें रिन्युएबल एनर्जी का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करना होगा।

रायपुर केन्द्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने कहा कि हमारा शरीर पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि और आकाश इन पांच तत्वों से मिलकर बना है। हम प्रकृति को प्रदूषित करके अपने ही शरीर को खराब कर रहे हैं। जंगल कटने से गर्मी बढ़ती जा रही है, पर्यावरण प्रदूषित होता जा रहा है। उन्होंने बतलाया कि प्रकृति के साथ-साथ मन के प्रदूषण को भी खत्म करने की जरूरत है।

इससे पहले ब्रह्माकुमारी नीलम दीदी ने कहा कि जल, जंगल, जमीन और जानवरों की सुरक्षा से ही पर्यावरण संरक्षण संभव है। पर्यावरण प्रदूषण के लिए प्लास्टिक को सबसे बड़ा खतरा बतलाते हुए उन्होंने इसका उपयोग कम करने पर जोर दिया।

इस अवसर पर छोटे-छोटे बाल कलाकारों ने वृक्ष हमारे जीवन का आधार नामक सुन्दर नृत्य नाटिका के माध्यम से प्रकृति को बचाने का सन्देश दिया। बाद में अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षण प्रेमकुमार और अरूण कुमार पाण्डे ने शान्ति सरोवर में वृक्षारोपण किया।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales
8959493000
A Leela Electronics
9425507772
Reena Electronics
9329132299
Shree Electronics
7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

हृदय की महाधमनी में थी रुकावट चुनौतीपूर्ण कार्डियक सर्जरी हुई पूरी

रायपुर (ए.)। गर्भकाल में शिशुओं में होने वाले जेनेटिक बदलाव के दौरान उपजी मोर्फान सिंड्रोम की परेशानी से दो मरीजों को एम्स के चिकित्सकों ने निजात दिला दी। बताया जा रहा है कि बेंटाल सर्जरी के जरिए से उनके हृदय की महाधमनी में होने वाली रुकावट को दूर किया गया। बढ़ती उम्र के साथ उनकी समस्या भी गंभीर होती जा रही थी। चिकित्सकों का कहना है कि, अमेरिकन हॉर्ट एसोसिएशन के एक शोध के अनुसार पांच हजार बच्चों में से एक को यह बीमारी जन्मजात होने की आशंका होती है। 60 से 80 प्रतिशत रोगियों को इस प्रकार की समस्या होने पर तुरंत सर्जरी की आवश्यकता होती है। सर्जरी के बाद दोनों मरीजों को कुछ दिन चिकित्सकों की निगरानी में रखकर अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। मिली जानकारी के अनुसार, दुर्ग के 35 वर्षीय, कबीरधाम के 18 साल स्कूली छात्र को सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। इसके बाद इसे इलाज के लिए एम्स लाया गया था जिसके बाद जांच में आनुवांशिक बीमारी का पता चला, जिसमें गर्भकाल में शिशु में जेनेटिक बदलाव के कारण क्रोमोसोम्स में दिक्कत से हृदय और आंख की मांसपेशियां और उतक विकसित नहीं हो पाते। इससे हृदय की महाधमनी की मांसपेशियों में अत्यधिक फैलाव, लीकेज, हार्ट फेल होना और महाधमनी के फटने की चुनौती रहती है। बढ़ती उम्र के साथ इसका और अधिक प्रभाव दिखने लगता है। इससे सांस फूलना, अत्यधिक थकावट, कमजोरी के लक्षण आने लगते हैं। लगभग आठ घंटे लंबी चुनौतीपूर्ण कार्डियक सर्जरी पूरी की गई।

शंकर नगर नवग्रह शनि मंदिर में उत्सव का आयोजन कल

रायपुर (ए.)। श्री नवग्रह शनि देव मंदिर एसएमसी हास्पिटल के पास विधानसभा रोड में शंकर नगर में शनि शिंगनापुर से लाए गये विशेष पूजित श्रीचरण भक्तों के दर्शन के लिए रखे जाएंगे उक्त आयोजन प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी शनि देव जयंती के अवसर पर 6 जून को शनि देव का जन्मोत्सव मंगल आरती के साथ सुबह 7 बजे, हवन सुबह 9 बजे विशेष पुष्प श्रृंगार तेल अभिषेक दिन भर प्रसादी भंडारी दोपहर 12 बजे से एवं महाआरती का आयोजन शाम 7 बजे श्रद्धालुओं द्वारा धूमधाम से विधि अनुसार संपन्न किया जाएगा। शनिदेव मंदिर के पुजारी विनोद द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जिन जातकों की मकर कुंभ एवं मीन राशि में शनि देव की साढ़े साती एवं वृश्चिक एवं कर्क राशि में अढैया की दशा चल रही है उन जातकों को शनि देव का पूजन श्रद्धापूर्वक संपन्न करने से विशेष लाभ होगा। शनि देव का दर्शन शुभ फलदायी होता है।

टीबी उन लोगों को जल्दी प्रभावित करता है जिनका इम्यून सिस्टम कमजोर होता है

टीबी मुक्त बनाने रखा लक्ष्य, 10 दिनों के भीतर आए 1520 मरीज

रायपुर (ए.)। स्वास्थ्य विभाग ने वर्ष 2025 तक राज्य को पूरी तरह से टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है, लेकिन तपेदिक (टीबी) के मरीजों की तेजी से बढ़ती संख्या ने चिंता बढ़ा दी है।

10 दिन में 1520 नए टीबी मरीज सामने आए हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक साढ़े चार महीने में 14220 मरीज मिले हैं। पिछले साल करीब 38 हजार टीबी मरीज मिले थे। वहीं, अब तक 532 से ज्यादा एमडीआर (मल्टी ड्रग रेजिस्टेंट) मामले भी पहचाने जा चुके हैं। इसकी मृत्यु दर 60 प्रतिशत तक है। चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि कोरोना काल के बाद से टीबी के मरीजों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। इसके कारणों को जानने के लिए शोध की जरूरत है।

टीबी रोग माइको बैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस नामक बैक्टीरिया के कारण होता है। यह एक ऐसी बीमारी है जो एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलती है। यह उन लोगों को जल्दी प्रभावित करता है जिनका इम्यून सिस्टम कमजोर होता है। टीबी की दवा बीच में बंद नहीं की जा सकती। मरीज के वजन के अनुसार छह माह से लेकर दो साल तक की विभिन्न श्रेणियों की दवाएं दी जाती हैं। अगर दवा में गैप हो तो मरीज को दवा प्रतिरोधी टीबी हो सकती है, जो बेहद खतरनाक हो सकती है। टीबी के मरीजों को खाली पेट दवा खानी पड़ती है। यदि पाठ्यक्रमों के बीच लंबा अंतराल हो तो मरीजों का दोबारा फॉलोअप किया जाता है।

केंद्र से नहीं मिल रही दवा : राज्य के सरकारी अस्पतालों में टीबी की दवा नहीं मिलने से मरीजों को खाली हाथ लौटना पड़ता है। फरवरी से सरकारी अस्पतालों में टीबी की दवाओं की कमी हो गई थी।

कुछ समय तक तो अस्पताल चल रहे थे, लेकिन पिछले एक माह से दवा पूरी तरह खत्म हो गयी है। रायपुर के पास भी सिर्फएक सप्ताह की दवा बची है। टीबी मरीजों को दी जाने वाली दवा केंद्र सरकार के टीबी विभाग द्वारा उपलब्ध करायी जाती है, जो बंद है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि टीबी की दवा के लिए कई बार टीबी विभाग को पत्र लिखा जा चुका है। छत्तीसगढ़ ही नहीं पूरे देश में दवाओं की सप्लाई नहीं हो रही है। राज्य के सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को वहां से निर्देश मिलने के बाद ही जिला स्तर से दवाएं खरीदने के निर्देश दिये गये हैं।

जनवरी से मई तक मरीजों की स्थिति

बालोद- 303, बलौदाबाजार- 451, बलरामपुर- 281, बस्तर- 524, बेमेतरा- 296, बीजापुर- 203, बिलासपुर- 1,022, दंतेवाड़ा- 267, धमतरी- 522, दुर्ग- 1,458, गरियाबंद- 7, गरियाबंदर- 125, जांजगीर-चांपा- 359, जशपुर- 418, कवर्धा- 333, कांकेर- 385, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई- 129, कोंडागांव- 260, कोरबा- 669, कोरिया- 89, महासमुंद- 553, मनेंद्रनगरीहरपुर 176, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी- 119, मुंगेली- 267, नारायणपुर- 121, रायगढ़- 759, रायपुर- 1944, राजनांदगांव- 419, सक्ती- 265, सारंगढ़-बिलाईगढ़, सूरजपुर-237।

छात्रों के लिए एनआईटी रायपुर में भारत की विदेश नीतियों पर वार्ता सत्र का हुआ आयोजन

जीवन में अनुशासन के महत्व पर दिया जोर

रायपुर (ए.)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर में स्टूडेंट एंड मिनिस्ट्री ऑफ एक्सटर्नल अफेयर्स इंगेजमेंट प्रोग्राम (समीप) के अंतर्गत छात्रों के लिए वार्ता सत्र का आयोजन किया गया। सत्र के मुख्य अतिथि जीईसी-एनआईटी रायपुर के भूतपूर्व छात्र एवं विदेश मंत्रालय में लैटिन अमेरिका और कैरिबियन के एडिशनल सेक्रेटरी जीवी श्रीनिवास रहे। इस कार्यक्रम में संस्थान के डायरेक्टर डॉ. एनवी रमना राव, डीन (एकेडमिक्स) डॉ. श्रीश वर्मा, डीन (शोध एवम अधिष्ठाता) डॉ. प्रभात दीवान, फैकल्टी मेंबर्स, रिसर्च स्कॉलर्स और छात्र उपस्थित थे। कार्यक्रम के समन्वयक इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रमुख डॉ. तोषन मीनपाल रहे।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों और शिक्षाविदों को भारतीय विदेश नीति की प्रमुख विशेषताओं, उपलब्धियों और सफलता की कहानियों से उन्हें अवगत कराना था। डॉ. श्रीश वर्मा ने सभी का सत्र में स्वागत किया और अतिथिगण का परिचय करवाया। उन्होंने विदेश नीति और उसके प्रति जागरूकता के महत्व में बात की। डॉ. रमना राव ने विदेश मंत्रालय द्वारा छात्रों के लिए संचालित विभिन्न प्रोग्राम्स जैसे स्पार्क, ज्ञान, वज्र आदि के बारे में चर्चा की। इसके बाद जीवी श्रीनिवास ने सभी को भारतीय संस्थान और विदेशी संस्थानों के बीच संबंधों को मजबूत बनाने और उसे नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए मार्गदर्शन दिया। उन्होंने छात्रों के संदर्भ में विदेश मंत्रालय की नीतियों के बारे में चर्चा की और जीवन में अनुशासन के महत्व पर जोर डाला। उन्होंने सिंगापुर का उदाहरण देकर अनुशासन के महत्व को बताया। उन्होंने समझाया कि असली सफलता पहली बार में जीतने में नहीं है जबकि असली सफलता वह है जब आप असफल होने के बाद अपनी योग्यता के अनुसार जोखिम लेकर पुन: प्रयास करते है। उन्होंने बीते समय में दुनिया में हुई घटनाओं के बारे में बात की और उनमें भारत की भूमिका के विषय में चर्चा की। इसके बाद उन्होंने विदेश मंत्रालय में अपने कार्यकाल के अनुभव साझा किए। उन्होंने जी 20 समिट की सफलता के बारे में बात की और भारत के संदर्भ में इसका महत्व समझाया। इसके अलावा उन्होंने भारत के बढ़ते विदेशी संबंधों, उपलब्धियों, विदेश मंत्रालय से जुड़ने के रास्तों, मंत्रालय के काम करने के तरीकों के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने सभी से हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित किया। अंत में प्रश्नोत्तर सत्र में उन्होंने छात्रों और फैकल्टी के विदेशी संस्थाओ के साथ काम करने संबंधी प्रश्नों का जवाब दिया और इससे संबंधित नीतियों के प्रश्नों के उत्तर दिए।

डॉ. तोषन मीनपाल ने सभी अतिथियों और आयोजन समिति के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए सत्र का समापन किया और कहा कि यह कार्यक्रम सभी उपस्थित लोगों के लिए एक यादगार और ज्ञानवर्धक अनुभव होगा।

विद्युत दरों में वृद्धि के खिलाफ सौंपा ज्ञापन

रायपुर (ए.)। बढ़ी हुई विधुत दर के खिलाफ ज्ञापन देने महापौर ऐजाज़ ढेबर, सभापति प्रमोद दुबे व वरिष्ठ कांग्रेसी पार्षदों के साथ ज्ञापन देने सी एस ई बी दफ्तर पहुंचे। ज्ञापन, मैनेजिंग डायरेक्टर राजीव शुक्ला को सौंपा गया।

औद्योगिक व कृषि क्षेत्रों की विद्युत दरों में लगभग 8.35 फीसदी/क्रमश: 20 पैसा व 25 पैसा प्रति युनिट वृद्धि होने की सूचना प्रेषित हो रही है। चूंकि देश में महंगाई हर क्षेत्र में बढ़ी हुई है, ऐसे में यह वृद्धि दर सामान्य उपभोक्ताओं पर अत्यधिक भार डालेगी। छत्तीसगढ़ राज्य की पूर्व सरकार ने बिजली की दरों को सामान्य दर से आधा किया था जिससे राज्य के उपभोक्ताओं को अतिरिक्त भार नहीं पड़ा था। घरेलू बिजली की दर में प्रति यूनिट 20 पैसे की वृद्धि का अर्थ है गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले गरीब लोगों का भी घरेलू बजट बिगड़ना क्योंकि इससे उनका बिजली बिल भी बढ़ गया । याने भाजपा सरकार ने उन्हें तक कोई राहत से इंकार कर दिया । नई दर के अनुसार 0 से 100 यूनिट तक के खपत पर 3.90 रुपए, 101 से 200 यूनिट पर 4.10 रुपए 201 से 400 यूनिट 5.50 रुपए, 401 से 600 यूनिट 6.50 रुपए और 600 यूनिट से अधिक के उपभोक्ता को 8.10 रुपए प्रति यूनिट का भुगतान करना होगा । अर्थात भाजपा सरकार ने गरीब से लेकर मध्यम वर्ग सभी पर कहर बरपा दिया । पार्टी ने कहा यदि कोई गरीब अगर 100 से 1 यूनिट भी अधिक बिजली खर्च करेगा तो उसे 3.90 रुपए की दर पर बिल का भुगतान करना होगा।

पार्टी ने कहा कि केवल यही नहीं सरकार ने स्थिर प्रभार की राशि में भी 5 से लेकर 10 किलो वाट के लिए 20 से लेकर 40 रुपए प्रति किलोवाट तक की वृद्धि कर दी है। उसने किसानो को भी नहीं बख्शा और कृषि पंपों पर 25 पैसे की प्रति यूनिट की बढ़ोतरी कर दी, इससे जहां किसानों की और हालत खराब होगी वही उपज की लगात भी बढ़ेगी जबकि उसकी उपज की एम एस पी पर सी टू फार्मूले पर खरीद की गारंटी, वादे के बाद भी मोदी सरकार ने लागू नहीं किया है। इस वृद्धि से नए टैरिफमें 20 से लेकर 70 पैसे तक की बिजली की प्रति यूनिट में वृद्धि हुई है।

ज्ञापन सौंपने के लिए महापौर ऐजाज़ ढेबर, सभापति प्रमोद दुबे, एम आई सी मेम्बर्स ज्ञानेश शर्मा, श्रीकुमार मेनन, सूंदर जोगी, वरिष्ठ कांग्रेस पार्षद राधे श्याम विभार, पार्षद उत्तम साहू व घनश्याम क्षत्री भी उपस्थित थे।

अभियान निजात के चलते नशे के विरुद्ध हुई लगातार कार्यवाही

रायपुर (ए.)। निजात अभियान के तहत चार महीने में पिछले सालों की इसी अवधि की तुलना में आईपीसी के कुल अपराधों में 7 फीसदी की कमी देखने को मिली है। मारपीट में 5 प्रतिशत, हत्या के प्रयास में 22 प्रतिशत, चाकूबाजी में 31 प्रतिशत छेड़छाड़ में 23 प्रतिशत और चोरी में 5 प्रतिशत की कमी आई है।

इसके अलावा एनडीपीएस और आबकारी ने ताबड़तोड़ कार्यवाही में कुल 3,157 प्रकरणों में 3,241 व्यक्ति पर कार्रवाई की है। जिसमें गैर-जमानतीय प्रकरणों में 378 आरोपी जेल गए और 6,176 लीटर शराब जप्त कई गई है।

341 कार्यक्रम चलाए गए

नशे के विरुद्ध जन जागरुकता बढ़ाने के लिए 341 कार्यक्रम चलाए गए हैं। थानों में नशे के आदी लोगों की काउंसलिंग भी की जा रही है। इस साल फरवरी महीने से डीजीपी अशोक जुनेजा के निर्देशन में आईजी रायपुर अमरेश मिश्रा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर संतोष सिंह के मार्गदर्शन में अवैध नशा के विरुद्ध अभियान निजात चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक रायपुर संतोष सिंह के निर्देशानुसार राजपत्रित अधिकारियों के पर्यवेक्षण में रायपुर के सभी थाना प्रभारियों द्वारा उनके क्षेत्र में अवैध नशा के कार्य में संलिप्त लोगों के विरुद्ध ताबड़तोड़ तरीके से कार्यवाही व व्यापक जागरूकता कार्यक्रम किए गए है।

एसएसपी संतोष सिंह ने बताया कि, कुल अपराधों में बढ़ोतरी हुई है। जो एनडीपीएस और आबकारी में बढ़ी कार्रवाई की जा रही है। निजात अभियान के दौरान शराब-विरोधी आबकारी एक्ट और ड्रग एनडीपीएस के 3,157 प्रकरणों में 3,241 व्यक्तियों पर कार्यवाहियां की गई है। जिसमें से गैर-जमानतीय प्रकरणों में 378 आरोपी जेल गए हुए हैं। 6,176 लीटर शराब, गांजा 949 किलो, एमएएमडी 4.5 ग्राम, हीरोइन 20 ग्राम, अफीम 161 ग्राम, टैबलेट 10,336 और अन्य नशीली वस्तुएं जप्त हुई है। आबकारी में गिरफ्तार लोगों में बड़ी संख्या सार्वजनिक स्थलों पर शराब सेवन कर हुडदंग करने वाले लोग हैं। इन कार्यवाहियों से अपराधियों में दहशत हुई हैं। पिछले चार महीने में तंबाकू-विरोधी कोटपा एक्ट के तहत 1,141 लोगों पर कार्रवाई हुई है। नशा में गाड़ी चलाने वाले 983 लोगों पर एमवी एक्ट के कार्यवाही करते हुए प्रत्येक प्रकरण को कोर्ट भेजा गया, जहां हर एक ऐसे चालक पर दस-दस हजार रुपए का भारी-भरकम जुर्माना लगाया गया है। 2023 में पूरे वर्ष में कोटपा में 30 व्यक्ति और 185 एमवी एक्ट में 610 प्रकरण हुए थे।

स्कूल कॉलेज और सार्वजनिक जगहों पर कार्रवाई हुई

नशे के विरुद्ध जनजागरुकता के तहत लोगों के सहयोग से स्कूल कॉलेज और सार्वजनिक जगहों पर 341 कार्यक्रम किए गए हैं और नशे के आदी सैकड़ों लोगों की लिस्टिंग कर उनकी विभिन्न संस्थाओं की मदद थानों में काउंसलिंग की जा रही है।

लोकस्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय निकाय एवं स्वास्थ्य विभाग का अमला अलर्ट रहें

बीमारियों की रोकथाम के लिए तैयारियां सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

रायपुर (ए.)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने वर्षाजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने मानसून के दौरान संभावित बीमारियों की रोकथाम के लिए अधिकारियों को राजधानी से लेकर ग्राम पंचायत तक लगातार सतर्क रहने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रदेश के सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य केन्द्रों में सभी आवश्यक जीवन रक्षक दवाईयों की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा है। मुख्यमंत्री ने हैंडपंप, नलकूप, एवं जल स्त्रोतों की मरम्मत, साफ-सफाई और क्लोरिनेशन कराने के भी निर्देश दिए हैं। ब्लीचिंग पाउडर और क्लोरिन टैबलेट की पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हों। मुख्यमंत्री ने वर्षाजन्य बीमारियों एवं अन्य समस्याओं से निपटने के लिए प्रशासनिक अमले के साथ लोकस्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय निकाय एवं स्वास्थ्य विभाग के अमले को अलर्ट रहने को कहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि बरसात के मौसम में उल्टी-दस्त, मलेरिया आदि मौसमी बीमारियों के होने की ज्यादा आशंका रहती है। पेयजल स्त्रोतों की सफाई जैसे छोटे-छोटे उपायों से इन बीमारियों के प्रकोप से बचा जा सकता है। राज्य में संक्रामक बीमारियों की दृष्टि से संवेदनशील गांवों और इलाकों में स्वास्थ्य विभाग के अमले द्वारा लगातार निगरानी रखी जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि जशपुर अंचल सहित ऐसे क्षेत्र जहा सर्पदंश के मामले ज्यादा आते हैं उन इलाकों में बचाव के लिए लोगों को जागरूक किया जाए। साथ ही सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में एन्टी स्नेक वेनम की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ ही स्वास्थ्य केन्द्रों में सर्पदंश के प्रकरणों को हैण्डल करने के लिए चिकित्सक एवं प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी उपलब्ध रहें।

भारी गंदगी मिलने पर जूस सेंटर सीलबंद ,13 दुकानों पर जुर्माना

नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त आबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार नगर निगम क्षेत्र में स्वच्छता सर्वेक्षण के तहत प्रतिदिन निरन्तर स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर तृप्ति पाणीग्रही के नेतृत्व एवं जोन 4 जोन स्वास्थ अधिकारी वीरेन्द्र चंद्राकर सहित सम्बंधित जोन अधिकारियों की उपस्थिति में कटोरा तालाब चौक क्षेत्र की दुकानों सफाई व्यवस्था का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। सफाई व्यवस्था के औचक निरीक्षण के दौरान कटोरा तालाब चौक में एक जूस सेंटर में साफ-सफाई का पूर्ण अभाव एवं भारी गंदगी पाए जाने पर स्थल पर नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देश पर जोन 4 जोन स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा जूस दुकान को तत्काल सीलबंद करने की कड़ी कार्यवाही की गयी। कटोरा तालाब चौक क्षेत्र की 13 दुकानों में गंदगी मिलने पर संचालकों से कुल 13100 रूपये जुर्माना उन्हें भविष्य के लिए कड़ी चेतावनी देते हुए वसूला गया । नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर तृप्ति पाणीग्रही की अगुवाई में कटोरा तालाब चौक क्षेत्र के सभी दुकानदारों को अपनी दुकान का गीला एवं सूखा कचरा पृथक-पृथक डस्टबिन में रखकर सफाई मित्र को सफाई वाहन में प्रतिदिन नियमित देकर रायपुर को स्वच्छ शहर बनाने में सहभागिता दर्ज करवाने का आव्हान किया गया।

दो दिवसीय अग्रवाल बैडमिंटन लीग 8 से

रायपुर। अग्रवाल सभा की युवा इकाई अग्रवाल युवा मंडल के द्वारा 8 एवं 9 मई को बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन स्काई टी.एम.टी एवं आइ स्पोर्ट्स के सहयोग से आई स्पोर्ट्स एरेना दलदल सिवाननी मोवा में किया जा रहा है। विभिन्न वर्गों में होने वाली इस प्रतियोगिता में महिला, पुरुष एवं बच्चे शामिल होंगे। प्रतियोगिता की समय सारिणी के लिए 5 जून खेल स्थल में ड्रॉ निकाला जाएगा। युवा मंडल अध्यक्ष राम अग्रवाल ने बताया कि अग्रवाल युवा मंडल विगत वर्षो से समाज के युवाओं को प्रेरित करने के लिए समय समय पर भिन्न-भिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करते आ है। इसी कड़ी में युवाओं को खेल के प्रति जागरूक करने एवं लोगों का खेल के प्रति रुझान बढ़ाने के लिए बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन 8 व 9 मई को किया जा रहा है।

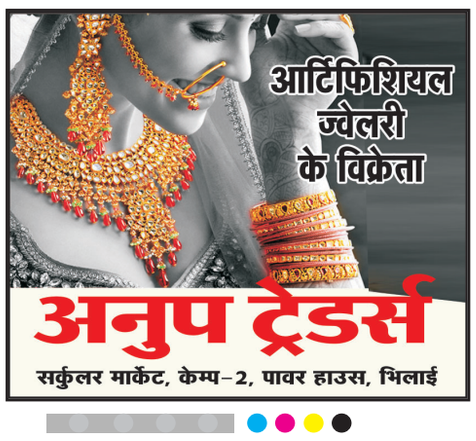

शक्ति अरोड़ा के बाद, भाविका शर्मा ने भी छोड़ा 'गुम है किसी के प्यार में', अब मेकर्स लाएंगे नई सवी

पॉप्युलर शो 'गुम है किसी के प्यार में' से एक बड़ा अपडेट सामने आया है। बताया जा रहा है कि शक्ति अरोड़ा ही नहीं, भाविका शर्मा भी इस शो का हिस्सा नहीं रहेंगी। टीआरपी में तो ये अच्छा परफॉर्म कर ही रहा था। बावजूद इसके इसमें 10 साल का लीप लाया जा रहा है।

टीआरपी चार्ट में टॉप 1-टॉप 2 में रहने वाला शो 'गुम है किसी के प्यार में' से एक और बुरी खबर आ रही है। पहले बताया गया था कि इस डेली सोप से शक्ति अरोड़ा बाहर हो रहे हैं। साथ ही पूरा भोसले परिवार 10 साल के लीप के बाद नजर नहीं आएगा। वहीं, अब एक और खबर आ रही है कि भाविका शर्मा भी इस शो से जा रही हैं। वह सिर्फ एक महीने ही इस शो में दिखाई देंगी। उसके बाद नई सवी देखने को मिलेंगी। 'गुम है किसी के प्यार में' में 10 साल का लीप आ रहा है। ऐसे में हितेश भारद्वाज ईशान बनकर शो में एंट्री करेंगे। वहीं, दो और नामी एक्टर्स इसमें अहम भूमिका में दिखाई देंगे। अब 'ईटाइम्स' की रिपोर्ट के मुताबिक, भाविका शर्मा, जो सवी के रोल में दिखाई देंगी। उन्होंने भी इस शो को छोड़ने का फैसला कर लिया है।

ईशान बनेगे हितेश भारद्वाज

अब शक्ति अरोड़ा और भाविका शर्मा दोनों ही इस शो में नजर नहीं आएंगे। अब मेकर्स नए कलाकारों को लाने की प्लानिंग कर रहे हैं। हालांकि ईशान के रोल के लिए हितेश भारद्वाज दिखाई देंगे। लेकिन सवी के लिए अभी उनको तलाश करना है।

शक्ति अरोड़ा ने GHKKPM के बारे में कही थी ये बात

शक्ति अरोड़ा ने बताया था कि उन्हें जब लीप के बारे में पता चला तो वह हैरान रह गए थे। उन्होंने कहा कि वह चौंक गए थे। क्योंकि रेटिंग के मामले में शो अच्छा कर रहा था। लीप तब लाया जाता है, जब शो अच्छा न कर रहा हो। साथ ही उन्होंने कहा था कि शो में ईशान और सवी के बीच रोमांस भी नहीं दिखाया जा रहा था। नोंकझोंक पर ही फोकस था। उसकी कमी उन्हें खली थी।

GHKKPM का प्रोडक्शन हाउस बदल रही है पूरी कास्ट

प्रोडक्शन हाउस के एक करीबी सूत्र के हवाले से बताया गया है, 'मौजूदा कास्ट के साथ ज्यादा कहानी बची नहीं थी। इसलिए प्रोडक्शन हाउस ने लीप लाने का फैसला किया और पूरी कास्ट बदलने का सोचा। न सिर्फ शक्ति अरोड़ा, बल्कि भाविका शर्मा भी महीनेभर में शो से बाहर हो जाएंगी। शो अच्छा परफॉर्म कर रहा था। लेकिन पहले सीजन जितना नहीं। बीच में रेटिंग भी गिर गई थी।'

वैक्स कराने के बाद ये काम जरूर करें, वरना काली पड़ सकती है आपकी स्किन

अपने हाथों और पैरों को खूबसूरत बनाने के लिए लड़कियां वैक्सिंग करवाती है। लेकिन वैक्सिंग करने के बाद कुछ बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है, अगर आप इन बातों का ध्यान नहीं रखते हैं, तो इससे आपकी त्वचा काली पड़ने लगती है। आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताएंगे, जो वैक्सिंग के बाद करनी चाहिए। आइए जानते हैं उन टिप्स के बारे में।

वैक्सिंग के बाद करें ये काम

वैक्स करने के बाद लड़कियों के हाथ और पैरों से टैनिंग दूर होती है और स्किन सॉफ्ट बनती है। इसे करने के बाद हाथों और पैरों पर हो रहे अनचाहे बाल दूर होते हैं और हाथ पैर गोरे दिखने लगते हैं। जब भी आप वैक्स कराएं, तो वैक्स करने के बाद कुछ बातों का ध्यान जरूर रखें। वैक्सिंग करने के बाद कई बार त्वचा से पसीना निकलने लगता है और स्किन चिपचिपी हो जाती है, ऐसा होने पर कई लड़कियां गर्म या गुनगुने पानी से नहा लेती है।

ठंडे पानी का इस्तेमाल

लेकिन ऐसा करना गलत हो सकता है। इसके लिए आपको वैक्स के बाद ठंडा पानी का इस्तेमाल करना चाहिए। वैक्सिंग के बाद डेड स्किन रोम छिद्रों को बंद कर सकती है, जिससे त्वचा का कालापन हो सकता है। वैक्सिंग करने के दो से तीन दिन बाद हफ्ते में तीन बार डेड स्किन को हटाने के लिए स्क्रब का इस्तेमाल करें।

मॉइस्चराइजिंग लोशन का इस्तेमा

इसके अलावा एक्सफोलिएट करने के बाद त्वचा को हाइड्रेट रखने के लिए आप मॉइस्चराइजिंग लोशन का इस्तेमाल कर सकते हैं। वैक्सिंग के बाद आप एलोवेरा जेल का इस्तेमाल कर सकते हैं, यह त्वचा को हाइड्रेट और शांत रखने में मदद करता है। वैक्स करने के बाद आप धूप में निकलने से बचे। ऐसा करने से त्वचा काली पड़ सकती है। अगर आप किसी जरूरी काम से बाहर जाते हैं, तो सनस्क्रीन का इस्तेमाल जरूर करें।

टोनर का इस्तेमाल

आप स्कार्फ, टोपी और चश्मे का भी इस्तेमाल कर सकते हैं, यह आपको धूप से बचाने में मदद करेगा। टोनर त्वचा के छिद्रों को बंद करता है और त्वचा को टाइट करने में मदद करता है। इसके लिए आप गुलाब जल का नेचुरल टोनर इस्तेमाल कर सकते हैं, यह त्वचा को शांत करने में काफी उपयोगी माना गया है।

एलोवेरा जेल का इस्तेमाल

वैक्सिंग के बाद कुछ लोगों की त्वचा पर लाल दाने होने लगते हैं, जब तक यह ठीक नहीं होते तब तक आपको अपनी स्किन का ध्यान रखना चाहिए। ऐसे में आप नियमित रूप से मॉइश्चराइजर, टोनर का इस्तेमाल करें और धूप में जाने से बचे। वैक्सिंग करने के बाद त्वचा को ठीक होने में थोड़ा समय लग सकता है। इसलिए घबराएं नहीं और एलोवेरा जेल जैसी चीजों का इस्तेमाल करें। वैक्स के बाद अगर आपकी स्किन पर खुजली चलती है, तो खुजली से बचे यह त्वचा को खराब कर सकती है। अगर वैक्स के बाद लंबे समय तक आपको समस्या रहती है, तो डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

स्टॉक मार्केट ट्रेडिंग सीखते वक्त आया शो बादल पे पांव है का आइडिया : सरगुन मेहता

अपकमिंग सीरियल बादल पे पांव है की निर्माता सरगुन मेहता ने शो के यूनीक कॉन्सेप्ट के बारे में कहा कि स्टॉक मार्केट में ट्रेडिंग करने वाली महिला के ऊपर पहली बार किसी शो की कहानी बनाई गई है।

सरगुन ने कहा, मैं बहुत लंबे समय से स्टॉक मार्केट ट्रेडिंग सीखना चाहती थी, और मेरे सभी दोस्त, मेरे पापा, मेरे भाई और यहां तक कि अब मेरी भाभी भी स्टॉक ट्रेडिंग करते हैं। जब मैं स्टॉक के बारे में सीख रही थी, तब यह आइडिया मेरे दिमाग में आया और मैं सोचने लगी कि मैं यह क्यों करना चाहती हूं और किस तरह के लोग स्टॉक मार्केट में ट्रेडिंग करते हैं।

उन्होंने कहा, तभी बानी का किरदार मेरे दिमाग में आया। यह न केवल मेरे सभी शो से अलग है, बल्कि यह सभी टीवी शो से भी अलग है। सबसे पहले, यह पूरी तरह से एक अलग दुनिया है। लंबे समय तक, महिलाएं केवल सिलाई या खाना पकाने का काम करती थीं क्योंकि उनके लिए करियर के ऑप्शन कम थे। इसलिए, उनमें जो भी स्किल थी, उन्होंने जो कुछ भी सीखा.. उसे करियर में बदल दिया।

सरगुन ने कहा, लेकिन आज की पीढ़ी किसी खास हुनर से बंधी नहीं है। उन्होंने अपने लिए करियर के नए रास्ते खोल लिए हैं। आज महिलाएं हर काम कर रही हैं, तो फिर शेयर बाजार में ट्रेडिंग क्यों नहीं।

एक्ट्रेस अमनदीप सिद्धू द्वारा निभाए गए बानी के किरदार को लेकर सरगुन ने कहा, इस किरदार की परिकल्पना काफी हद तक इस बात पर आधारित है कि मेरी परवरिश कैसे हुई है और मेरी मां कैसी हैं। हम ऐसे लोग हैं जो वाकई बड़े सपने देखते हैं। इसलिए, यह शो ऐसी लड़की की कहानी है जो उन सबसे सवाल कर रही है जो कहते हैं कि यही हमारी किस्मत है, और हम इसी में खुश हैं। वह उस सामाजिक मानदंड को चुनौती देती है।

बानी के किरदार के लिए अमनदीप सिद्धू को चुनने पर सरगुन ने कहा, जब हमने अमनदीप का पहला ऑडिशन देखा तो मैं तुरंत उससे कनेक्ट हो गई। जब हमने उनके साथ मॉक शूट किया तो मेरे डायरेक्टर और मैं उन्हें चुनने के लिए 100 प्रतिशत राजी हो गए। हालांकि, मैं तब तक अमनदीप से नहीं मिली थी। लेकिन जब मैं पहली बार उससे मिली और उसे कुछ सीन सुनाए, तो मैंने उसकी आंखों में एक अलग चमक देखी।

सरगुन ने कहा, उसने मुझे अपनी जिंदगी के कई ऐसे किस्से बताए जहां वह बिल्कुल बानी की तरह थी। उस पल, मुझे यकीन हो गया कि वह बानी ही है। अमनदीप बानी के बहुत करीब थी और मुझे लगता है कि वह बस इस किरदार को अपनाने का इंतजार कर रही थी। बादल पे पांव है 10 जून से सोनी सब पर प्रसारित होगा।

सामंथा रुथ प्रभु की लेटेस्ट तस्वीरों ने इंटरनेट पर मचाया बवाल, हॉट अदाएं देख फैंस हुए बेकाबू

साउथ की खूबसूरत एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु हमेशा अपने बोल्ड लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। उनका हर एक लुक फैंस के बीच आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। इन दिनों भले ही एक्ट्रेस एक्टिंग से ब्रेक ले चुकी हैं, लेकिन आए दिन अपनी ग्लैमरस फोटोज से फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं। हालिया शेयर की गई तस्वीरों में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।

एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु आए दिन अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फोटोज पोस्ट करती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही छा जाता है। हाल ही में एक्ट्रेस सामथा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका बोल्ड लुक देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उन पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं।

इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु ने रेड कलर का बेहद ही सेक्सी जंपसूट आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो काफी ज्यादा गॉर्जियस नजर आ रही हैं। बालों को ओपन कर के और साथ ही न्यूड मेकअप लुक कर के एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी तगड़ी है।

गर्मियों में दूध को खट्टा होने से रोकने के लिए अपनाएं ये 5 आसान टिप्स

गर्मी का मौसम आते ही सभी लोग ठंडे दूध से स्वादिष्ट लस्सी, आम जैसे फलों का शेक और कोल्ड कॉफी आदि बनाकर पीते हैं। हालांकि, बढ़ते तापमान के कारण आपके घर में रखा हुआ दूध हर दूसरे दिन खट्टा हो जाता है। यह समस्या तब भी हो सकती है, जब आप दूध को फ्रिज में रखते हों। इस परेशानी को रोकने के लिए आप ये 5 आसान रसोई के नुस्खे अपना सकते हैं।

खरीदारी करते वक्त अंत में दूध लें

शॉपिंग-मॉल, किराने की दूकान या किसी भी जगह से खरीदारी करते समय इस बात का ध्यान रखें की आप अंत में ही दूध का पैकेट खरीदें।ऐसा करने से दूध कम समय तक फ्रिज से बाहर रहेगा, जिससे इसके खराब होने का खतरा कम हो जाएगा। गर्म हवा के संपर्क में आने से इसमें हानिकारक बैक्टीरिया की वृद्धि को बढ़ावा मिलता है।एक बार जब आप दूध खरीद लें, तो घर जा कर तुरंत उसे रेफ्रिजरेटर में रख दें।

दूध को तुरंत उबालें

अगर पैकेट वाले दूध को फ्रिज में ठीक तरह से रखा जाए, तो उसके खराब होने की संभावना कम हो जाती है। हालांकि, इसे खट्टे होने से रोकने के लिए जरूरी है कि आप दूध को तुरंत उबाल लें।दूध तब खराब होता है, जब उस पर हानिकारक बैटीरिया जमने लगते हैं। ऐसे में दूध उबालने से सभी बैक्टीरिया मर जाते हैं और दूध खट्टा नहीं होता।जब दूध उबल जाए तो उसे हल्का ठंडा करके ही फ्रिज में रखें।

फ्रिज में करें स्टोर

अगली किचन टिप है कि आपको दूध को सही तरह से फ्रिज में स्टोर करना है। दूध के पैकेट या बोतल को रेफ्रिजरेटर के दरवाजे में न रखें, क्योंकि दरवाजा खुलने पर वे बाहर के तापमान के संपर्क में आएंगे। इन्हें अपने फ्रिज के चिलर-ट्रे सेक्शन में रखें। फ्रिज का दरवाजा खुलने पर भी यह कम्पार्टमेंट बंद रहता है, जिससे दूध खट्टा नहीं होगा।अगर आपने दूध को भगोने में रखा है, तो इसे फ्रिज के पीछे वाले हिस्से में रखें।

देर तक फ्रिज के बाहर न रखें

सभी लोग इस टिप पर जोर देते हैं कि हमें लंबे समय तक दूध को फ्रिज से बाहर नहीं रखना चाहिए। ऐसा करने से दूध जल्दी खरब हो जाता है और उसका स्वाद खट्टा हो जाता है।जब आपको दूध इस्तेमाल करना हो, तब ही उसे फ्रिज से निकालें और तुरंत वापस रख दें।अगर दूध देर तक बाहर के गर्म तापमान के संपर्क में आता है तो यह पीला पड़ने लगता है और वह जल्दी फट भी सकता है।

अतिरिक्त दूध को फ्रीजर में ही रखें

कनाडा के डेयरी फार्मर्स की वेबसाइट के अनुसार, दूध फ्रीजर में 6 सप्ताह तक सही रहता है। इस दौरान इसके स्वाद और पोषण मूल्य पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।अगर आपने ज्यादा मात्रा में दूध खरीदा है, जिसका जल्द उपभोग होने की संभावना नहीं है तो उसे फ्रीजर में रख दें। इन दूध के कंटेनरों को खोले बिना ही फ्रीजर में रखें।जानिए दूध के सेवन से मिलने वाले स्वास्थ्य लाभ।

खास खबर

उप संचालक कृषि ने किया सहकारी समितियों का निरीक्षण

सारंगढ़ बिलाईगढ़। कलेक्टर धर्मेश साहू के निर्देश पर कृषि विभाग के दल द्वारा विकासखंड बरमकेला के सहकारी समिति लोधिया, गोबरसिंहा, साल्हेओना का निरीक्षण किया। निरीक्षण दल में उप संचालक कृषि आशुतोष श्रीवास्तव के साथ ही जयप्रकाश गुप्ता निलेश राव तालेश्वर पटेल उपस्थित थे। सहकारी समिति लोधिया में रासायनिक खाद यूरिया 203.400 मे.टन, डी.ए.पी. 60 मे.टन पोटाश 20 मे.टन एवं धान बीज स्वर्णा 210.80 क्विंटल भंडारण हुआ है, जिसमें यूरिया 60.300 मे.टन, डी.ए.पी. 53.800 मे.टन, पोटाश 0.650 मे.टन एवं धान बीज 20 क्विंटल वितरण किया गया है। सहकारी समिति गोबरसिंहा में रासायनिक खाद यूरिया 175.680 मे.टन, सुपर फास्फेट 5.650 मे.टन, डी.ए.पी. 90 मे.टन एवं धान बीज स्वर्णा 180 क्विं. एवं एम.टी.यू.1001-30. क्विं. भंडारण हुआ है, जिसमें यूरिया 95 मे.टन, सुपर फास्फेट 5.650 मे.टन, डी.ए.पी. 60.500 मे.टन एवं धान बीज स्वर्णा 118.80 क्विं., एम.टी.यू.1001- 8.10 क्विं. वितरण किया गया है। सहकारी समिति साल्हेओना में यूरिया 112.050 मे.टन, सुपर फास्फेट 25.000 मे.टन, डी.ए.पी. 61.000 मे.टन एवं धान बीज स्वर्णा 210.00 क्विं. भंडारण हुआ है, जिसमें रासायनिक खाद यूरिया 70.070 मे.टन, सुपर फास्फेट 1.700 मे.टन, डी.ए.पी. 51.150 एवं धान बीज स्वर्णा 132.90 क्विं. वितरण किया गया है। सहकारी समिति लोधिया, गोबरसिंहा में अनियमितता पाये जाने पर कारण बताओ नोटिस दिया गया। सहकारी समितियों को प्रतिदिन खोलने, 02 दिनों में किसानों को रासायनिक खाद बीज वितरण (भण्डारित खाद, बीज) कार्य पूर्ण करने, मांग अनुसार रासायनिक खाद का ऑनलाइन मांग तथा बीज मांग करने हेतु निर्देशित किया गया।

शिक्षा विभाग ने अनुकम्पा नियुक्ति के पूर्व मंगाई दावा आपत्ति

दंतेवाड़ा। कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति अनुसार अनुकम्पा नियुक्ति के लिए प्राप्त आवेदनों की छान-बीन के क्रम में सात दिवस के भीतर आम जनों से दावा आपत्ति मंगाई गई है। इस क्रम में वर्तमान में 05 आवेदकों ने अनुकम्पा नियुक्ति के लिए कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसमें गीदम विकासखंड के कन्या आश्रम शाला समलूर में पदस्थ शिक्षक स्व. जसमनराम टोप्पो के परिवार से उनकी पत्नी श्रीमती रेशमा टोप्पो, दन्तेवाड़ा विकासखंड से प्राथमिक शाला कुंजामपारा गंजेनार में पदस्थ प्रधान पाठक स्व. बन्नूराम कोड़ोपी की पुत्री कु. विजयलक्ष्मी कोड़ोपी, दन्तेवाड़ा विकास खण्ड प्राथमिक शाला टोटापारा पूरनतराई में पदस्थ सहायक शिक्षक स्व. रमेश कुमार साहू की पत्नी श्रीमती इन्द्राणी साहू, विकासखंड कटेकल्याण के प्राथमिक शाला कोयापारा परचेली में पदस्थ सहायक शिक्षक स्व. नकुलराम कोर्राम के पुत्र श्री रविन्द्र कोर्राम, दन्तेवाड़ा विकासखंड के माध्यमिक शाला पण्डेवार में पदस्थ भृत्य स्व. सुखेन्द्र सिंह की पत्नी श्रीमती जयंतीबाई ने अनुकम्पा नियुक्ति के लिए आवेदन दिया है। आम जनो के जानकारी में यदि दिवंगत शासकीय सेवकों के आश्रित परिवारों में यदि कोई सदस्य राज्य अथवा केन्द्र की शासकीय सेवा में कार्यरत होने की सूचना है, तो वे सात दिवस के भीतर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय दन्तेवाड़ा में स्वयं उपस्थित होकर अथवा डाक के माध्यम से जानकारी दे सकते है। ताकि नियमानुसार पात्र व्यक्ति को अनुकम्पा नियुक्ति का लाभ दिया जा सके।

प्रियंका गांधी ने केएल शर्मा को अमेठी जीतने पर बधाई दी

लखनऊ(एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 का परिणाम आना शुरू हो गया है। उत्तर प्रदेश की चर्चित अमेठी सीट पर कांग्रेस के उम्मीदवार और गांधी परिवार के खास केएल शर्मा ने भाजपा की मौजूदा सांसद स्मृति ईरानी को हरा दिया है इस पर प्रियंका गांधी ने शर्मा के साथ अपने पुराने दिनों की एक तस्वीर साझा करते हुए एक्स पर लिखा, किशोरी भैया, मुझे कभी शक नहीं था, मुझे यकीन था कि आप जीतोगे। आपको और अमेठी के प्यारे भाइयों-बहनों को हार्दिक बधाई! चुनाव आयोग के मुताबिक, शर्मा को 3 लाख से ज्यादा वोट मिले हैं, जबकि ईरानी ढाई लाख का आंकड़ा पार नहीं कर पाई हैं।शर्मा ईरानी से 88,000 वोट से आगे चल रहे हैं। मतगणना पूरी होने तक आंकड़ा बढ़ सकता है। बता दें, शर्मा गांधी परिवार के काफी खास हैं और अमेठी से उनका पुराना जुड़ाव है।अभी तक रूझनों से पता चल रहा है।

छत्तीसगढ़ की प्रचंड जीत कार्यकर्ताओं और जनता को समर्पित : किरण देव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने लोकसभा चुनाव-2024 में भाजपानीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को मिले पूर्ण बहुमत को ऐतिहासिक जनादेश बताते हुए अपनी विजय को पूरी विनम्रता से शिरोधार्य करते हुए इसे भारत के 140 करोड़ देशवासियों की जीत बताया है।

पार्टी के नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर अपना अटूट विश्वास व्यक्त कर 'विकसित भारत विकसित छत्तीसगढ़' के संकल्प को साकार करने और विश्व मंच पर भारत के गौरव को पुनर्प्रतिष्ठित करने के लिए प्रदेश की जनता का हृदय से आभार मानकर बधाई दी है। केंद्र में लगातार तीसरी बार सत्ता सम्हालने के लिए मिले जनादेश के दृष्टिगत राजधानी समेत पूरे प्रदेश में भाजपाजनों में उत्साह है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने भाजपा की शानदार जीत पर प्रदेश की जनता को बधाई देते हुए कहा कि यह जीत जनता और प्रधानमंत्री श्री मोदी 10 वर्षों में किए गए काम और लिए गए क्रांतिकारी निर्णयों की जीत है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी की गारंटी पर देश की जनता ने जो अपना विश्वास व्यक्त किया है, अब भाजपा की डबल इंजन की सरकार उस विश्वास की कसौटी पर खरी उतरने में कोई कसर बाकी नहीं रखेगी। श्री देव ने कहा कि ये नतीजे इस बात के प्रमाण हैं कि भारत और विशेषकर छत्तीसगढ़ की जनता जनार्दन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार भाजपानीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की एक सशक्त सरकार के के लिए अपना निर्णय व्यक्त किया है। ये नतीजे इस बात की तस्दीक भी कर रहे हैं कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र की सरकार ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के अपने उद्घोष में निहित 'सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण' के संकल्प के साथ काम किया है आगे भी यह करती रहेगी। श्री देव ने कहा कि भाजपा-एनडीए को ऐतिहासिक बहुमत के साथ जनता जनार्दन ने सत्ता सौंपी है और भाजपा जन-विश्वास की कसौटी पर खरी उतरेगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने छत्तीसगढ़ भाजपा को अभूतपूर्व जनसमर्थन मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि जनता-जनार्दन ने पूरे छत्तीसगढ़ के विकास के लिए भाजपा के पक्ष में भारी संख्या में जो स्वस्फूर्त मतदान किया है, उससे भाजपा का विश्वास फलीभूत हुआ है। देश की जो जनभावना प्रधानमंत्री श्री मोदी के साथ जुड़ी है, श्री मोदी के नेतृत्व पर जनता-जनार्दन का जो अटूट विश्वास स्थापित हुआ है, वह अभूतपूर्व है। श्री देव ने भाजपा कार्यकर्ताओं और जनता के प्रति आभार व्यक्त किया।

राहुल गांधी की 10 हजार किमी की यात्रा ने बनाया माहौलः अलका लांबा

नई दिल्ली(एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के नतीजे आने लगे हैं। इस बीच महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने इंडिया गठबंधन की जीत को लेकर बयान दिया है। अलका लांबा ने कहा कि राहुल गांधी की 10 हजार किलोमीटर की यात्रा ने इस देश के माहौल को बदलने का काम किया है। इंडिया गठबंधन हमारा बड़ा प्रयास रहा, जो कामयाब होते हुए भी दिख रहा है।

हमने वोटों को बंटने नहीं दिया, मुद्दों पर बात की। पूरी लड़ाई देश का संविधान, देश का लोकतंत्र और देश को एक रखने की लड़ाई हमने लड़ी, जिसे हम रुझानों में जीतते हुए देख रहे हैं। अलका लांबा ने पंजाब और दिल्ली को लेकर कहा कि पंजाब में 13 सीटें इंडिया गठबंधन की आने वाली हैं। दिल्ली की सभी सात और हरियाणा की सभी 10 सीटें इंडिया गठबंधन को आने वाली हैं। इसके अलावा अलका लांबा ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन की बैठक में हमने 295 का फिगर दिया था। अब लग रहा है कि हम उसके पार जा रहे हैं। देश बड़ा बदलाव देख रहा है। 10 साल लोगों ने बहुत सहा है। उम्मीद है तूफान और तबाही थमने जा रही है।

लोकसभा चुनाव 2024 : कई दिग्गजों को मिली करारी हार

स्मृति ईरानी, दिग्विजय, भूपेश और उमर अब्दुल्ला तक चुनाव हार गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 का परिणाम जारी हो चुका है। भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए गठबंधन 292 सीटों के साथ एक बार फिर से विजयी हुआ है। हालांकि, भाजपा 240 सीटों के साथ अकेले बहुमत से दूर रह गई है। इस चुनाव में भाजपा, कांग्रेस समेत अनेक पार्टियों के दिग्गज नेताओं को हार का मुंह देखना पड़ा है। हारने वाले प्रत्याशियों स्मृति ईरानी से लेकर दिग्विजय सिंह तक के नाम शामिल हैं।

स्मृति ईरानी- अमेठी से कांग्रेस के किशोरी लाल ने 167196 वोट से हराया। स्मृति को 372032 और किशोरी को 539228 वोट मिले।

दिग्विजय सिंह- राजगढ़ से भाजपा के रोडमल नागर ने 146089 वोट से हराया। रोडमल नागर को 758743 और दिग्विजय को 612654 वोट मिले।

मेनका गांधी- सुल्तानपुर में सपा के रामभुआल निषाद ने 43174 वोट से हराया। रामभुआल 444330 और मेनका को 401156 वोट मिले।

भूपेश बघेल- राजनंदगांव में भाजपा के संतोष पांडे ने 44411 वोट से हराया। संतोष को 712057 और बघेल को 667646 वोट मिले।

नकुलनाथ- कांग्रेस के गढ़ छिंदवाड़ा से हारे। भाजपा के बंटी विवेक साहू ने 113618 वोट से हराया। बंटी को 644738 और नकुलनाथ को 531120 वोट मिले।

उमर अब्दुल्ला- बारामूला से निर्दलीय अब्दुल राशिद ने 204142 वोट से हराया। राशिद को 472481 और उमर को 268339 वोट मिले।

माधवी लता- हैदराबाद से ओवैसी ने 338087 वोटों से हराया। ओवैसी को 661981 और माधवी को 323894 वोट मिले।

अर्जुन मुंडा- खूंटी से कांग्रेस के कालीचरण मुंडा ने 149675 वोट से हराया। कालीचरण को 511647 और अर्जुन मुंडा को 361972 वोट मिले।

महबूबा मुफ्ती- अनंतनाग से नेशनल कॉन्फ्रेंस के मियां अल्ताफ ने 281794 वोट से हराया। अल्ताफ को 521836 और महबूबा को 240042 वोट मिले।

अधीर रंजन- बहरामपुर से TMC के युसूफपठान ने 85022 वोट से हराया। युसूफ को 524516 और अधीर को 439494 वोट मिले।

अजय मिश्रा टेनी- खीरी से सपा के उत्कर्ष वर्मा ने 34329 वोट से हराया। उत्कर्ष को 557365 और टेनी को 523036 वोट मिले।

आरके सिंह- आरा से CPIM के सुदामा प्रसाद ने 59808 वोट से हराया। सुदामा को 529382 वोट और आरके सिंह को 469574 मिले।

कंगना रनौत ने विक्रमादित्य को हराया, 74 हजार से ज्यादा वोटों से जीती मंडी सीट

मंडी (हिमाचल प्रदेश) (एजेंसी)। बॉलीवुड की क्वीन और भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत ने मंगलवार को मंडी संसदीय क्षेत्र में पूर्व राजपरिवार के वंशज तथा कांग्रेस विधायक विक्रमादित्य सिंह के खिलाफ 74 हजार से ज्यादा वोटों से जीत दर्ज की है। कंगना को 5,37,022 मत मिले जबकि दूसरे स्थान पर रहे सिंह को 4,62,267 मद मिले हैं।

राज्य के सबसे कठिन और लगभग दो-तिहाई क्षेत्र को कवर करने वाले इस विशाल निर्वाचन क्षेत्र में विरासत और स्टारडम के बीच टकराव देखने को मिला। इस सीट का प्रतिनिधित्व पहले प्रतिभा सिंह करती थीं, जो विक्रमादित्य की मां हैं। वह मंडी से तीन बार सांसद रह चुकी हैं। इस परिवार का तत्कालीन क्योंथल राज्य के शाही परिवार से संबंध हैं।

उन्होंने फिर से मैदान में उतरने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने विक्रमादित्य के नाम का प्रस्ताव रखा था क्योंकि उनका मानना था कि वह युवा, ऊर्जावान और अच्छे वक्ता हैं, जिनका युवाओं पर प्रभाव है और वह कंगना के लिए एक अच्छी चुनौती पेश करेंगे।

मंडी में एक रैली को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं की आकांक्षाओं और महिला सशक्तीकरण के महत्व के बारे में बात की। उन्होंने कहा, कांग्रेस अभी 21वीं सदी में नहीं पहुंची है। लोग प्रगति कर रहे हैं, जबकि कांग्रेस विपरीत दिशा में बढ़ रही है। यह 20वीं सदी की ओर वापस जा रही है। कांग्रेस का शाही परिवार बेटियों के सख्त खिलाफ है। पूरी कांग्रेस घोर महिला विरोधी है। लेकिन हिमाचल में मेरे परिवार के लिए, मेरी बात ध्यान से सुनो और अपनी बेटियों को अच्छी शिक्षा दो।

राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने बताया कि पहाड़ी राज्य से ताल्लुक रखने वाली कंगना को काफी हद तक अपने समृद्ध पारिवारिक राजनीतिक विरासत पर निर्भर विक्रमादित्य पर बढ़त है, क्योंकि उन्होंने काफी पहले ही चुनाव प्रचार शुरू कर दिया था। प्रचार के दौरान दोनों उम्मीदवारों के बीच वाक्-युद्ध भी हुआ जो व्यक्तिगत हो गया, जैसे छोटा पप्पू और बीफ खाने वाला।

दो बार के विधायक विक्रमादित्य (35) जिन्होंने 37 वर्षीय कंगना को अपनी बड़ी बहन बताया, सुखविंदर सिंह सुखू के नेतृत्व वाली राज्य सरकार में लोक निर्माण मंत्री हैं, जबकि कंगना ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की है।

मंडी से राज्य के मुख्यमंत्री बनने वाले पहले व्यक्ति और भाजपा नेता जय राम ठाकुर का गृह जिला है। अधिकांश चुनावी सभाओं और प्रचार के दौरान वह कंगना के साथ ही थे।

ठाकुर, जिन्होंने 1998 में विधानसभा चुनाव लड़ा था और तब से लगातार सभी छह विधानसभा चुनावों में भारी अंतर से जीत हासिल की, 2013 में मंडी संसदीय उपचुनाव में वीरभद्र सिंह की पत्नी प्रतिभा सिंह से 1.36 लाख वोटों से हार गए थे।

कंगना हमीरपुर शहर के पास भांबला गांव की रहने वाली हैं, जो राज्य की राजधानी शिमला से करीब 200 किलोमीटर दूर है। मनाली के खूबसूरत पर्यटन स्थल में उनका एक कॉटेज है, जो मंडी संसदीय क्षेत्र का हिस्सा है। अपनी चुनावी सभाओं में, पूर्व मुख्यमंत्री ठाकुर, जिनका ध्यान मंडी सीट पर जीत सुनिश्चित करने पर था, ने कई बार कहा, कंगना मंडी की बेटी हैं।

चंद्रबाबू नायडू 9 जून को ले सकते हैं सीएम पद की शपथ

अमरावती(एजेंसी)। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के अध्यक्ष एन. चंद्रबाबू नायडू 9 जून को आंध्र प्रदेश के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले सकते हैं. पार्टी सूत्रों ने यह जानकारी दी. मंगलवार को जारी मतगणना के रुझानों में 175 विधानसभा सीटों में से 157 पर टीडीपी के नेतृत्व वाला गठबंधन आगे है जबकि राजमुंदरी ग्रामीण सीट वह जीत चुकी है.

पार्टी प्रमुख नायडू एक बार फिर आंध्र प्रदेश में सत्ता की बागडोर संभालने के लिए तैयार हैं. 74 वर्षीय नायडू चौथी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे. वह 1995 से 2004 तक संयुक्त आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे थे. वह 2014 में विभाजन के बाद शेष आंध्र प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री भी बने, लेकिन 2019 में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के हाथों टीडीपी को अपमानजनक हार झेलनी पड़ी. पांच साल बाद सत्ता विरोधी लहर पर सवार होकर पार्टी ने वापसी की है। अभिनेता-राजनेता पवन कल्याण की जन सेना पार्टी (जेएसपी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ उनके गठबंधन ने राज्य की राजनीति में पासा पलट दिया.

टीडीपी ने 131 क्षेत्रों में स्पष्ट बढ़त के साथ अपने दम पर भारी बहुमत हासिल किया है. नायडू खुद कुप्पम निर्वाचन क्षेत्र से आगे चल रहे हैं जिसका वह 1989 से प्रतिनिधित्व कर रहे हैं.

नायडू के बेटे और टीडीपी महासचिव नारा लोकेश भी मंगलगिरी निर्वाचन क्षेत्र से आगे चल रहे हैं. पिछले चुनावों में लोकेश को इसी क्षेत्र से हार का सामना करना पड़ा था. नायडू के नेतृत्व वाली पार्टी 25 लोकसभा क्षेत्रों में से भी 16 पर आगे चल रही है।

केरल में पहली बार भाजपा ने जीती सीट

त्रिशूर(एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 के परिणाम आना शुरू हो गए हैं। शुरूआती रूझान में भाजपा नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) और इंडिया के बीच कड़ी टक्कर दिख रही है।इस बीच केरल से चौंकाने वाली खबर आ रही है। यहां त्रिशूर लोकसभा सीट से भाजपा पहली बार प्रवेश करने जा रही है। भाजपा उम्मीदवार सुरेश गोपी ने कम्युनिस्ट पार्टी वीएस सुनील कुमार को हरा दिया है।कांग्रेस के मुरलीधरन तीसरे स्थान पर।

1952 में त्रिशूर लोकसभा सीट अस्तित्व में आने के बाद से यहां कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टियों का कब्जा रहा है। यहां 7 बार कांग्रेस और 10 बार भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के सांसद रहे हैं।2014 में कम्युनिस्ट पार्टी के सीएन जयदेवन ने चुनाव जीता था। इसके बाद 2019 में कांग्रेस के टीएन प्रतापन ने वामदल के राजाजी मैथ्यू थॉमस को हराया।यह पहला मौका होगा, जब सीट पर भाजपा का कोई सदस्य जीता।

चुनाव से पहले एनडीए के लिए एकतरफा मुकाबला दिख रहा था, लेकिन परिणाम के रूझान आना शुरू हुए तो इंडिया गठबंधन मजबूत तरीके से लड़ते दिख रही है।अब तक के शुरूआती रूझानों में एनडीए ने 543 सीटों में से 297 और इंडिया ने 223 सीट पर बढ़त बना ली है।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok
JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

हाथी ने बच्चे को कुचलकर मार डाला, आसपास के गांव में दहशत का माहौल

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में मंगलवार को हाथी के हमले से एक बच्चे की मौत हो गई। इस घटना के बाद से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया है। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच कर आगे की कार्रवाई में जुट गई हैं। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार छाल थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कूकरीचोली निवासी लक्ष्मी नारायण डनसेना पिता अर्जुन डनसेना (16) का मंगलवार की सुबह अचानक हाथी से सामना हो गया। जिसके बाद हाथी में अपने भारी भरकम पैरों से उसे कुचलकर मौत के घाट उतार दिया। बताया जा रहा है कि वह किसी काम के सिलसिले में घर से निकला था और जब वह पुसलदा ङ्क बेहरामुडा के बीच रेलवे लाइन किनारे पहुंचा ही था, तभी हाथी से उसका सामना हो गया। हाथी के हमले से बच्चे की मौत होने की जानकारी आग की भांति आसपास क्षेत्रों में फैल गई, जिसके बाद से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया है। इस घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम के अलावा छाल थाने की पुलिस मौके पर पहुंच कर आगे की कार्रवाई में जुट गई हैं।

राहगीरों का रास्ता रोककर लूटपाट, आरोपी पुलिस पकड़ में

बिलासपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले से सरकंडा पुलिस ने लोगों का रास्ता

रोककर लूट पात करने वाले 4 आरोपियों गिरफ्तार किया है। जिसमें से आरोपियों को 2 नाबालिग बताया जा रहा हैं। जानकारी के मुताबिक बिरकोना रोड के सुनसान सड़क पर पास कुछ राहगीरों का रास्ता ये चारों रोककर लूटपाटकर रहे थे। इस दौरान आरोपियों के पास से नगदी, मोबाइल और सोने का लॉकेट जब्त किया गया है। सूत्रों में मुताबकि ये बिरकोना रोड सरकंडा के निवासी मनोज कुमार साहू के द्वारा सरकंडा थाने में एक रिपोर्ट दर्ज कराइ गई थी। इस दौरान मनोज ने बताया 2 जून की रात को वह नारियल कोठी दयालबंद अपने किसी रिश्तेदार के घर गया हुआ था जहां से 3 जून को वह लगभग 3 145 बजे के करीब अपने घर बिरकोना वापस जाने के लिए निकला हुआ था। तकरीबन 4 बजे वह बिरकोना के अशोक नगर स्थित पानी टंकी के पास पहुंचा था। वहीं इस दौरान अशोक नगर निवासी मार्टिन ठाकुर ने अपने कुछ साथियों के साथ उन्हें रास्ते घेर लिया। जिसके बाद गले में पहने सोने के लॉकेट के साथ 3835 रुपये नगदी और मोबाइल को लूट लिया और वहां से फरार हो गया। जिसके बाद सरकंडा पुलिस ने इस मामले पर आरोपियों के खिलाफकेस दर्ज कर उनकी तलाश में जुट गई हैं। जानकारी के मुताबिक इस सभी आरोपियों को पकड़ लिया गया हैं, और इसके खिलाफसख्त कार्रवाई की गई हैं।

बुखार से पीड़ित वाहन चालक की मौत, लू की आशंका

चार दिन तक चले इलाज के बाद भी नहीं बचाई जा सकी उसकी जान

कोरबा (ए.)। नौतपा में भीषण गर्मी के बीच काम कर लौटते ही वाहन चालक की तबीयत बिगड़ गई। उसे तेज बुखार के साथ हाथ पैर में दर्द होने लगा। उसकी सेहत में सुधार नहीं होने पर स्वजनों ने इलाज के लिए मेडिकल कालेज अस्पताल दाखिल कराया, जहां आईसीयू में चार दिन तक चले इलाज के बाद भी उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। मामले को लू से पहली मौत माना जा रहा है।

जानकारी के अनुसार कुसमुंडा थानांतर्गत प्रेमनगर में धनेश दास 63 वर्ष अपने परिवार सहित निवास करता था। वह कुसमुंडा खदान में नियोजित आरटीसी कंपनी में बतौर वाहन चालक काम करता था। उसे चार दिन पहले परिजनों ने मेडिकल कालेज अस्पताल दाखिल कराया था, जहां इलाज के दौरान रविवार की रात उसकी मौत हो गई। अपने पिता की मौत की वजह पुत्र राजा दास ने लू को बताया है। राजा ने बताया कि उसके पिता नौतपा में भी भीषण गर्मी के बीच काम कर रहे थे। वे तेज धूप के बीच वाहन चलाकर घर लौटे। इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्हें सुबह शाम तेज बुखार के साथ हाथ पैर में दर्द होने लगा। इलाज के बाद भी उनकी सेहत में सुधार नहीं हो सका। लिहाजा उन्हें इलाज के लिए मेडिकल कालेज अस्पताल दाखिल कराया गया, जहां पिता को बीते चार दिन से आईसीयू

में रख इलाज किया जा रहा था। इसके बाद भी उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। देर रात इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। उसका कहना है कि पिता को किसी तरह की बीमारी नहीं थी। उनकी तबीयत तेज गर्मी के कारण ही बिगड़ी थी। गौरतलब है कि नौतपा में हीट वेव को लेकर स्वास्थ्य विभाग द्वारा एडवाइजरी जारी की गई थी, जिसमें लोगों को जरूरत पड़ने पर ही दोपहर के वक्त घर से निकलने की बातें कही गई थी। बहरहाल जिले में लू से वाहन चालक की मौत को पहला मामला माना जा रहा है। मामले को मेडिकल कालेज के सह अधीक्षक डा. रविकांत जाटवर के संज्ञान में लाया गया। उन्होंने वृद्ध की मौत को लेकर उपचार करने वाले चिकित्सक से चर्चा की। तत्पश्चात बताया कि वृद्ध को चार दिन पहले दाखिल किया गया था। उसका उपचार आईसीयू में रख किया जा रहा था। उसकी मौत निमोनिया की वजह से हुई है।

प्रसव कराने के लिए नर्स ने मांगे पांच हजार, नोटिस जारी

कोरबा (ए.)। गर्भवती महिला का प्रसव कराने के एवज में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के स्टाफनर्स के द्वारा रुपये मांगे जाने का मामला सामने आया है। चिकित्सा अधिकारी ने नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। रविवार रात को ग्राम चोढ़ा निवासी गर्भवती महिला राजेश्वरी आर्मो पति शिव आर्मो को प्रसव पीड़ा होने पर परिजन प्रसव के लिए विकासखंड पाली अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरदीबाजार पहुंचे। रात्रि पाली में जहां दो स्टाफनर्स प्रीति देवांगन एवं सहयोगी नर्स उपस्थित थे। दोनों ने गर्भवती का सही प्रसव कराने के एवज में नकद पांच हजार रुपये की मांग की अन्यथा प्रसव नहीं करा पाने की बात कही। गर्भवती महिला के परिजन इतवारा बाई ने बताया कि स्टाफ नर्स ने यह भी कहा कि रुपये शीघ्र दें नहीं तो शिफ्ट बदल जायेगा।

इसी तरह कुछ दिन पूर्व भी नर्स प्रीति देवांगन ने प्रसव कराने के एवज में सावित्री जगत से भी रात्रि में दो हजार रुपये लिया था। इसकी शिकायत पर ग्राम सरपंच अनुसुइया कंवर, पूर्व सरपंच युवराज सिंह कंवर, कोटवार लखन दास महंत व पंच सावित्री जगत ने अस्पताल पहुंच कर हितग्राही से पूछताछ किया। सरपंच प्रतिनिधि युवराज सिंह कंवर ने बताया कि आए दिन स्वास्थ्य केंद्र हरदीबाजार में खासकर रात के समय स्टाफनर्स के द्वारा प्रसव कराने के एवज में रुपये की मांग करने की शिकायत मिली है। इसकी लिखित शिकायत पंचायत की ओर से सहायक चिकित्सा अधिकारी युधेश सांडे को सौंपा गया है। इस संबंध में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरदीबाजार के सहायक चिकित्सक डा. युधेश सांडे ने कहा कि सरपंच हरदीबाजार के द्वारा लिखित शिकायत मिली है। इस पर तुरंत संज्ञान लेकर रात्रि पाली में कार्यरत दोनों स्टाफनर्स को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है। साथ ही इसकी जानकारी उच्च अधिकारियों को भी दी जाएगी, जिससे इस तरह की पुनरावृत्ति न हो।

पेड़ से टकराकर बाइक सवार युवक की हुई मौत

सूरजपुर । छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में सड़क में पेड़ गिरने से एक बाइक सवार युवक पेड़ से टकरा गया। इस घटना में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मामला झीलमिली थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना भैयाथान सूरजपुर मार्ग के झीलमिली की बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि आंधी तूफान से बीच सड़क में पेड़ गिर गया। इससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही। फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच में जुट गई है।

17 लाख के पांच ईनामी नक्सलियों संगठन छोड़ ने किया आत्मसमर्पण

जगदलपुर (ए.)। 17 लाख के इनामी पांच नक्सलियों ने अपने संगठन को छोड़कर मुख्यधारा में जुडने की इच्छा जताते हुए हुए मंगलवार को आत्मसमर्पण किया, सभी नक्सली अलग - अलग घटनाओं में शामिल थे जिसमें टोण्डामरका मुठभेड़, सलातोंग मुठभेड़ और साकलेर मुठभेड़ प्रमुख रूप हैं। आत्मसमर्पित नक्सली नक्सली संगठन के पीएलजीए बटालियन नंबर 1 और दक्षिण बस्तर डिवीजन कमेटी में अलग- अलग पदों पर लंबे समय से काम कर रहे थे।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नक्सलवाद से तंग आकर 8 लाख के इनामी पीएलजीए बटालियन नम्बर 01 का सप्लाई टीम डिप्टी कमाण्डर और पीपीसीएम मडक्रम पांडू, 5 लाख के इनामी पामेड़ एरिया कमेटी सदस्य व एरिया मेडिकल टीम प्रभारी एसीएम मडकम मासा, 2 लाख के इनामी प्लाटून नम्बर 10 'बी' सेक्शन कमाण्डर कोमरम दूला, एक लाख की ईनामी महिला पीएलजीए बटालियन सदस्या रव्वा भीमे और दक्षिण सब जोनल ब्यूरो प्रेस टीम सदस्य व पार्टी सदस्य शेखर उर्फमुका सोड़ी ने पुलिस के समक्ष बिना हथियार के सरेंडर कर दिया है। इस दौरान आत्मसमर्पित नक्सलियों को पुलिस व सीआरपीएफ अधिकारियों ने प्रोत्साहन राशि भी दी गई है।

पुलिस के अनुसार मडक्रम पांडू पीएलजीए बटालियन नम्बर 1 का सप्लाई टीम डिप्टी कमाण्डर और पीपीसीएम के रूप में काम कर रहा था। दिसंबर 2011 से फरवरी 2012 तक ग्राम कन्हाईपाड़ मिलिशिया सदस्य के रूप में काम किया। उसके बाद मार्च 2012 मार्च से 2016 तक पीएलजीए बटालियन सप्लाई टीम डिप्टी कमाण्डर और पीपीसीएम मडक्रम पांडू, 5 लाख के इनामी पामेड़ एरिया कमेटी सदस्य व एरिया मेडिकल टीम प्रभारी एसीएम मडकम मासा, 2 लाख के इनामी प्लाटून नम्बर 10 'बी' सेक्शन कमाण्डर कोमरम दूला, एक लाख की ईनामी महिला पीएलजीए पीएलजीए सदस्य रहा। साल 2017 से अप्रैल 2024 तक पीएलजीए बटालियन सप्लाई टीम डिप्टी कमाण्डर/पीपीसीएम की कमान सौंपी गई। मडक़म पांडू टोण्डामरका मुठभेड़, दुरमा मुठभेड़, सलातोंग मुठभेड़ और साकलेर मुठभेड़ में शामिल रहा।

सेक्स रैकेट का भंडाफोड़: दानी टोला वार्ड से 6 लड़कियों सहित 4 लड़के गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। धमतरी कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर के दानी टोला वार्ड में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ दिया है। पुलिस ने दबिश देकर 10 लोगों को हिरासत में लिया है। बताया जा रहा है कि इसमें कुछ लड़कियां बाहर से भी हैं।

डीएसपी नेहा पवार ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि दानी टोला वार्ड में सेक्स रैकेट का कारोबार चल रहा है। जिस पर दबिश देकर 10 लोगों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षु डीएसपी विंकेश्वरी पिंदे के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस ने छापेमारी की, जहां पर छह युवतियां और चार लड़के संदिग्ध अवस्था में पाए गए। लड़कियों में कुछ बाहर राज्य की भी हैं। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

दो बच्चों को छोड़ भागी मां, पति ने की पत्नी के आशिक की हत्या

बलौदाबाजार (ए.)। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले में कांग्रेस पार्षद ने अपनी पत्नी के प्रेमी की हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि उसकी पत्नी दो बच्चों को छोड़कर अपने प्रेमी के घर पर रह रही थी। अपनी को वापस लाने के लिए ही वह मुंगेली से सिमगा गया था। मामला सिमगा थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार, कांग्रेस पार्षद मां, भाई 10-15 लोगों के साथ उसके प्रेमी के घर पहुंचा। वे सभी रात लगभग 11 बजे नंदकुमार पात्रे के घर का दीवार कूदकर अंदर घुस गए। आंगन में रखे लाठी-डंडे से प्रेमी और उसके परिवार वालों पर हमला कर दिया। हमले में नंदकुमार के सिर पर गंभीर चोटें आई। उसे तत्काल इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गाया जहां पर उसकी मौत हो गई। वहीं घायल अनिता पात्रे और गोवर्धन पात्रे को रायपुर रेफर कर दिया गया है।

दिलीप कुर्रे मुंगेली जिले के वार्ड क्रमांक-14 से कांग्रेस पार्षद हैं। उसकी पत्नी सुकृति कुर्रे को छोड़कर अपने प्रेमी नंदकुमार पात्रे के घर पर रहने लगी थी। नंदकुमार पात्रे बलौदाबाजार के चंदेरी गांव में रहता था। वह मुंगेली जिले के जल संसाधन विभाग पथरिया में काम करता था।

डिवाइडर से टकराई ट्रक, खून से लथपथ हुआ ड्राइवर

रायपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में सुबह-सुबह 5 बजे शहर में बड़ी सड़क दुर्घटना हो गई। सड़क हादसे में तेज रफ्तार ट्रेलर अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा भिड़ी। यह हादसा रायपुर के रिंग रोड में स्थित अशोका मिलेनियम के पास हुआ है। दुर्घटनाग्रस्त हुए ट्रेलर में बिजली ट्रांसफार्मर लोड था। हादसे के बाद ट्रांसफार्मर सड़क पर गिर गए।

यह पूरा मामला न्यू राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, वाहन चलाते वक्त ड्राइवर की नींद से आंखें झपकने लगी। इसके कारण ट्रेलर अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गया। हादसे से सड़क पर बिजली ट्रांसफार्मर बिखरने से कई घंटों तक जाम की स्थिति बन गई थी। वहीं ड्राइवर ट्रक के अंदर फंस गया था। आसपास के लोगों जैसे-तैसे कर ड्राइवर हो वाहन से बाहर निकाला और इलाज के लिए अस्पताल ले गए। वहीं सड़क पर बिखरे ट्रांसफार्मर को भी हटाया गया है। बताया जा रहा है कि बिजली ट्रांसफार्मर से लोड ट्रेलर पुणे से कोलकाता जा रहा था।

सुपेला पुलिस की गिरफ्त में आया आरोपी

कॉल रिसीव नहीं किया तो टहल रहे युवक को चाकू मारा

भिलाई। सुपेला थाना क्षेत्र में कॉल रिसीव नहीं करने पर युवक पर जानलेवा करने का मामला सामने आया है। घटना सोमवार रात की है। युवक खाना खाने के बाद अपने घर के पास टहल रहा था और इस दौरान मोहल्ले में रहने वाला एक दूसरा युवक पहुंचा और अपने नाबालिग साथी के साथ कॉल रिसीव नहीं करने की बात कहते हुए चाकू से हमला किया। हमले में घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस मामले में शिकायत मिलने के बाद सुपेला पुलिस ने आरापी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार चिंगरी पारा सुपेला निवासी अमन साहनी सोमवार की रात करीबन 11.00 बजे मोहल्ले में टहल रहा था। इस दौरान मोहल्ले का रहने वाला राजेन्द्र अपने एक अन्य साथी के साथ आया और तुम हमारा फोन क्यो नही

उठाते हो कहते हुए जान से मारने के नियत से जेब में रखे चाकू से प्राणघातक हमला कर दिया। जिससे प्रार्थी मौके पर गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

इस मामले में सुपेला पुलिस त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को घेराबंदी का पकड़ा गया। आरोपी राजेन्द्र सिन्हा उर्फ सोनू से पूछताछ करने पर अपने एक नाबालिक मित्र के साथ मिलकर प्रार्थी को चाकू से प्राणघातक हमला करना स्वीकार किया तथा चाकू पुलिस को जब्त कराया। आरोपी राजेन्द्र सिन्हा उर्फ सोनू को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड में भेजा गया एवं विधि से संघर्षरत बालक के विरूद्ध विधिवत कार्रवाई की गई। इस महत्वपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी सुपेला निरीक्षक राजेश मिश्रा, उप निरीक्षक प्रमोद सिन्हा, प्रधान आरक्षक भरत यादव, आर. श्याम मिश्रा का विशेष योगदान रहा।

छेडख़ानी के आरोप में 3 शिक्षकों को हुई 6 माह की सजा

नारायणपुर (ए.)। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला एडका के तीन शिक्षकों नरेंद्र सिंह ठाकुर पिता स्व. झाड़ी ठाकुर 56 वर्ष निवासी बखारू पारा जिला नारायणपुर, नारायण प्रसाद देवांगन पिता स्व. युगल प्रसाद देवांगन 56 वर्ष निवासी बुधवारी बाजार जिला नारायणपुर, धर्मेंद देवांगन पिता विष्णु प्रसाद देवांगन 53 वर्ष निवासी देवांगन पारा जिला नारायणपुर के द्वारा 8 युवतियों से छेडख़ानी के आरोपी शिक्षकों को कोंडागांव अपर न्यायालय ने अजमानतीय धारा 294,354, 354 सी, 34 भादस. धारा 10 पास्को एक्ट एवं धारा 3(1) ब, 3 (2)(1 क), 3 (2) वीआईआई एक्ट के तहत तीनो आरोपी शिक्षकों को 06 माह की सजा सुनाई है।

झाड़ियों के पीछे मिला युवक का शव

अंबिकापुर (ए.)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में एक युवक की लाश मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि लाश को झाड़ियों से छिपाने की कोशिश की गई है। पुष्पवाटिका में मॉर्निंग वॉक के दौरान लोगों ने शव को देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी। मामला लखनपुर थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार, मॉर्निंग वॉक पर गए लोगों ने लाश को लखनपुर के पुष्प वाटिका में झाड़ियों के पीछे एक युवक की लाश को देखा। इसे देखकर वहां मौजूद लोगों ने पुलिस को इस बारे में बताया। इसके बाद पुलिस ने शव की पहचान रजपुरी निवासी रामनारायण के रूप में की। फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच में जुट गई है।

दुर्ग लोकसभा से विजय बघेल की बंपर जीत कांग्रेस के राजेन्द्र साहू को रिकार्ड मतों से हराया

हर राउंड में बनाते रहे अजेय बढ़त, भाजपा में उत्साह, कांग्रेस कार्यकर्ताओं में छाई निराशा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग लोकसभा चुनाव की मतगणना प्रक्रिया मंगलवार की सुबह 8 बजे जुनवानी स्थित श्री शंकराचार्य इंजीनियरिंग कॉलेज कैम्पस में भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरु हुई। मतगणना के आए प्रारंभिक रुझानों में भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल अजेय बढ़त अंतिम चरण तक बनाए रखा, उन्होंने 17 वे राउंड में 864480 वोट पाकर 4 लाख से ऊपर बढ़त बनाए हुए हैं। जबकि अभी 1 लाख 50 हजार मतो की गिनती बाकी हैं। मतगणना के इन रुझानों ने कांग्रेस प्रत्याशी राजेन्द्र साहू को बड़ा झटका दिया है। जिससे भाजपा खेमे में उत्साह का माहौल है, वहीं कांग्रेस कार्यकर्ताओं में फिर निराशा छा गई है। समाचार के लिखे जाने तक शाम की स्थिति तक 17 राउंड की मतगणना पूरी कर ली गई थी। कुल 22 चक्रों में मतगणना की जानी है।

भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल ने 2019 का पिछला लोकसभा चुनाव 3 लाख 92 हजार मतों के अंतर से जीता था। इस चुनाव में भाजपा कार्यकर्ता उनके 6 लाख मतों से जीतने की उम्मीद लगा रखे हैं। मतगणना में विजय बघेल को मिल रहे भारी लीड से भाजपा कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह का माहौल है। भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल मतगणना के प्रथम राउंड से ही कांग्रेस प्रत्याशी राजेन्द्र साहू पर अजेय बढ़त बनाए हुए है। शाम 6 बजे की स्थिति तक 17 राउंड की गिनती पूरी की जा चुकी थी। जिसके अनुसार भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल को 8654480 मत मिले थे। कांग्रेस प्रत्याशी राजेंद्र साहू ने 465125 वोट प्राप्त किए थे। कुल 1390742 मतों की गिनती पूर्ण हो चुकी थी। लगभग 1.50 लाख मतों की गिनती और की जानी है। इस स्थिति में भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल 4 लाख से अधिक मतों से कांग्रेस प्रत्याशी राजेंद्र साहू पर बढ़त बनाए हुए हैं।

इस चुनाव में भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल दुर्ग शहर विधानसभा क्षेत्र से सर्वाधिक लीड लिए हैं। वे दुर्ग शहर से 72272 से जीते हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में विधायक गजेन्द्र यादव ने 48 हजार मतों से बड़ी जीत दर्ज की थी। लोकसभा चुनाव में जिस तरह से विजय बघेल को 72 हजार से अधिक दुर्ग शहर विधानसभा क्षेत्र में लीड मिली। विजय बघेल दुर्ग संसदीय क्षेत्र के सभी 9 विधानसभाओं में सबसे ज्यादा दुर्ग शहर विधानसभा से लीड लिए हैं। जिसका पूरा श्रेय दुर्ग शहर विधानसभा क्षेत्र के विधायक गजेन्द्र यादव को जाता है। जिन्होने दुर्ग शहर में ताबड़तोड़ जनसंपर्क कर भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल के पक्ष में जोरदार चुनावी माहौल बनाया था। इसी प्रकार दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर की मेहनत भी रंग लाई है। ललित चंद्राकर ने भी लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल के पक्ष में जमकर मेहनत की। पिछले विधानसभा चुनाव में ललित चंद्रकार की जीत की लीड जितनी नहीं थी, उससे ज्यादा विजय बघेल को वे लीड दिलाते नजर आ रहे है। विधायक ललित चंद्राकर ने चुनाव प्रचार के दौरान पहले ही घोषणा भी कर दी थी कि जितने लीड से वे विधानसभा चुनाव जीते हैं, उससे ज्यादा लीड से लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल को जीत दिलाएंगे। मतगणना के रुझान से दुर्ग शहर और दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह का माहौल है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने मिठाइयां बांटकर जमकर खुशियां मना रहे हैं। बहरहाल मतगणना की प्रक्रिया जारी है। मतगणना के अंतिम परिणाम देर शाम तक आने की उम्मीद है।

दुर्ग लोकसभा में विजय बघेल की रिकार्ड जीत - विधायक गजेंद्र यादव ने मतदाताओं का जताया आभार

दुर्ग। लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल को प्रचंड बहुमत से जीत दिलाने पर विधायक गजेंद्र यादव ने दुर्ग लोकसभा के समस्त मतदाताओं व कार्यकर्ताओ को शुभकामनायें दी है। विधायक गजेंद्र यादव ने कहा की मोदी की गारंटी और विष्णुदेव के सुशासन से छत्तीसगढ़ में चहुमुखी विकास हो रहा है इसी का परिणाम है की देश की उन्नति और तरक्की के लिए जनता ने फिर से भाजपा सरकार बनाने को लेकर भरोसा जताया और छत्तीसगढ़ में 10 लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशीयों ने प्रचंड बहुमत से जीत दर्ज किये है। लोकसभा चुनाव के परिणाम में सबसे अधिक लगभग 75000 मतों दुर्ग शहर विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी की जीत मिलने पर उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओ बधाई दिए और विजय बघेल को पुनः सांसद के रूप सेवा का अवसर देने पर मतदाताओं का आभार जताये।

दुर्ग लोकसभा में संगठन की शक्ति, कार्यकर्ताओं की मेहनत और भाजपा प्रत्याशी की छवि से मिली है ऐतिहासिक जीत - जितेन्द्र

दुर्ग। दुर्ग लोकसभा क्षेत्र से विजय बघेल के सांसद निर्वाचित होने पर दुर्ग जिला भाजपा अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा ने कहा कि दुर्ग जिले में जनता के समर्थन और संगठन की शक्ति से इतनी विशाल जीत दर्ज की गई है। दुर्ग जिले में भाजपा के सशक्त संगठन ने विधानसभा चुनाव के बाद लगातार चार महीने तक मेहनत करके विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों और अभियानों के माध्यम से जो माहौल तैयार किया उसी का परिणाम रहा कि भाजपा ने दुर्ग जिले में ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। भाजपा के कार्यकर्ताओं ने अथक मेहनत करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपलब्धियों और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन को जनता के बीच पहुंचाया। भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल की लोकप्रियता, नम्रता और सहजता ने भी मतदाताओं का मन मोहा। जिला भाजपा अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा ने बताया कि दुर्ग संगठन जिला अंतर्गत दुर्ग शहर, दुर्ग ग्रामीण, पाटन, अहिवारा और साजा विधानसभा के धमधा ब्लॉक के पोलिंग बूथ में पार्टी ने शानदार प्रदर्शन किया है। चुनाव संचालन के सभी आयामों को लोकसभा चुनाव प्रभारी चंदूलाल साहू और सह प्रभारी राजीव अग्रवाल के मार्गदर्शन में विधानसभा संयोजकों ने पूर्ण किया। लोकसभा संयोजक अवधेश चंदेल और सहसंयोजक प्रीतपाल बेलचन्दन द्वारा चुनाव संचालन को लेकर सभी नौ विधानसभा क्षेत्र में प्रमुख कार्यकर्ताओं को संयोजित करके रणनीति बनाई जिससे यह उत्कृष्ट परिणाम आया है। पार्टी ने चुनाव संचालन की जिम्मेदारी विधानसभा स्तर पर जिले के प्रमुख नेताओं को दी थी जिसमें दुर्ग शहर में राजेन्द्र कुमार पाध्ये, दुर्ग ग्रामीण में जागेश्वर साहू, पाटन में दिलीप साहू, अहिवारा में रविशंकर सिंह को विधानसभा संयोजक बनाकर चुनाव संचालन सौंपा गया था। सभी विधानसभा संयोजकों ने पूरी शक्ति और तत्परता के साथ चुनाव संचालन किया। कार्यकर्ताओं के सहयोग से विधायक डोमनलाल कोरसेवाड़ा, ललित चंद्राकर, गजेंद्र यादव ने भीषण गर्मी में जनसंपर्क, जनसभा, नुक्कड़ सभा, चाय पे चर्चा, महतारी अभिनंदन जैसे कार्यक्रम के माध्यम से अथक मेहनत करके भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल को जिताने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जिला भाजपा अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव में इतिहास का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। भारतीय जनता पार्टी सभी नौ विधानसभा सीटों में एकतरफा जीत दर्ज की है। जिसमें दुर्ग संगठन जिला की पांचों विधानसभा सीटों में इतिहास रचा गया है। इस ऐतिहासिक जीत के लिए दुर्ग जिला संगठन के सभी कार्यकर्ता सम्मान के पात्र हैं।

विधायक ललित चन्द्राकर ने विजय बघेल को दूसरी बार ऐतिहासिक जीत से निर्वाचित होने पर दिया बधाई

दुर्ग। दुर्ग लोकसभा क्षेत्र से विजय बघेल को प्रचंड जीत की शुभकामनाएं देते हुए विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि एक एक कार्यकर्ताओ के सुख दुख का लेखा जोखा रख उनके लिए संकट मोचन का काम विजय भैया करते आ रहे हैं। कुशल नेतृत्व, आदर्श राजनीति में रम चुके इस निर्वादित नेता को जीत की हार्दिक शुभकामनाएं। लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को मिली ऐतिहासिक महा विजय के लिए देश की देव तुल्य जानता का हार्दिक आभार और कार्यकर्ताओ का अभिनंदन। यह प्रचंड जीत प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता, विश्वनीयता और केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों का परिणाम है। साथ ही उन्होंने दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र की जनता का आभार व्यक्त किया।

भीषण गर्मी से बचने का एक ही उपाय, हर नागरिक वृक्षारोपण की ओर कदम बढ़ायें

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। विश्व पर्यावरण दिवस की पूरे शहर वासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाओं के साथ शहर को हरा-भरा करने प्रत्येक व्यक्ति वृक्षारोपण की ओर कदम बढ़ायें। पर्यावरण प्रकृति से प्राप्त एक अनमोल धरोहर है।

हमारा कर्तव्य है कि हम अपने शहर के पेड़-पौधों को सुरक्षित कर शहर को हरा-भरा बनायें।उक्त बातें आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शहर विधायक गजेंद्र यादव,महापौर धीरज बाकलीवाल,आयुक्त लोकेश चन्द्राकर एवं प्रभारी सत्यवती वर्मा,पार्षद एवं नेता प्रतिपक्ष अजय वर्मा, सहायक अभियंता वीपी मिश्रा,उद्यान प्रभारी अनिल सिंह समेत अन्य लोगो ने पोटिया चौक अमृत मिशन गार्डन के किनारे में वृक्षारोपण किये।इस अवसर सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित

जितने अधिक पौधे होंगे उतना पर्यावरण स्वच्छ रहेगा। आज लोगों को भीषण गर्मी से जूझना पड़ रहा है। इससे बचने का एक ही रास्ता अधिक से अधिक पेड़ लगाएं।गार्डन में छायादार के साथ फ्लदार पौधे लगाये गये। विधायक व महापौर ने बताया आज विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर हमने शहर वासियों को जनजागरुकता के तहत पोटिया चौक स्थित अमृत मिशन गार्डन में कदम व बादाम के पेड़ समेत अन्य पेड़ लगाए गए।आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने कहा कि शहर के अन्य रिक्त जगहों में पौधा लगाकर वृक्षारोपण किया जाएगा। लगाए गए पौधे छायादार और फ्लदार पौधा है जिसमें बादाम एवं कदम के पेड़ शामिल है।विधायक गजेंद्र यादव एवं महापौर धीरज बाकलीवाल ने शहरवासियों से अपील कर कहा कि शहर को हरा-भरा करने वे भी अपने घर के आस-पास एक पौध अवश्य लगाये।आक्सीजन की कमी को दूर करेगा रोपे गये पौधे वृक्षारोपण के अवसर पर विधायक,महापौर ने वृक्षारोपण कर लोगो के साथ पर्यावरण दिवस मनाया।इस अवसर पर विधायक गजेंद्र यादव,महापौर धीरज बाकलीवाल निगम के अधिकारी से कहा कि शहर के सभी रिक्त स्थानों एवम सड़क किनारे बारिश आते ही रिक्त स्थानों पर अधिक संख्या में पौधे रोपित कर इसे सुरक्षित रखने का प्रयास करेंगे।विधायक एवं महापौर ने कहा कि पौधे लगाने के साथ ही इसकी देखभाल और सुरक्षा की जिम्मेदारी बढ़ जाती है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर नि:शुल्क पौधे उपलब्ध रहेंगे

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस के आवसर पर नगर पालिक निगम भिलाई वृक्षारोपण करने वाले सभी पर्यावरण मित्रो को एवं आम नागरिको को नि:शुल्क रूप से पौधा उपलब्ध करायेगी। नगर निगम भिलाई के नेहरू नगर कुसुम कानन नर्सरी में जाकर पौधा प्राप्त कर सकते है।

एक पत्र उद्यान अधिकारी के नाम से देना होगा उसी के अनुरूप आपको पौधे मिल जायेगे। आयुक्त देवेश कुंमार ध्रुव ने सभी नागरिको से अपील की है पर्यावरण असंतुलन एवं बढ़ती हुई गर्मी को देखते हुए वृक्ष ही एक सहारा है जो हमे बचा सकता है। नगर निगम भिलाई द्वारा जो लोग वृक्ष लगाना चाहते है उन्हे सभी प्रकार के पौधे उपलब्ध करायेगे।

परन्तु यह भी सत्य है की वृक्ष लगाने से ज्यादा पौधो को लगाते समय उसका रखरखाव किया जाना आवश्यक है। नगर निगम के उद्यान अधिकारी तिलेश्वर कुमार साहू ने बताया की नगर निगम के प्रियदर्शिनी परिसार जोन-1, जोन-2 में ट्रेंचिग ग्राउण्ड, ढ़ौर तालाब आदि स्थान पर वृक्षारोपण किये जायेगे।

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय की दो छात्राएं कर रहीं है गुफाओं व तालाबों के संरक्षण पर शोध

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग में पीएचडी हेतु पंजीकृत लगभग 1150 शोधार्थियों में से भूगर्भशास्त्र विषय की दो शोध छात्राएं कुमारी स्वपना गुप्ता तथा कुमारी अरूणिमा बसु रे बस्तर की प्रसिद्ध गुफाओं तथा जगदलपुर के समीप स्थित दलपत सागर तालाब के संरक्षण पर उल्लेखनीय शोधकार्य कर रही है।

इन दोनों शोधार्थियों के शोधनिर्देषक हेमचंद यादव विष्वविद्यालय, दुर्ग के अधिष्ठाता छात्र कल्याण तथा प्रसिद्ध भूगर्भषास्त्री डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव तथा सहषोधनिर्देषक साइंस कॉलेज, दुर्ग के भूगर्भशास्त्र विभाग के डॉ. श्रीनिवास डी. देशमुख ने संयुक्त रूप से जानकारी दी कि यूजीसी के नये नियमों के मुताबिक शोधार्थियों द्वारा किये जा रहे शोध का सामाजिक हित में अनुप्रयोग

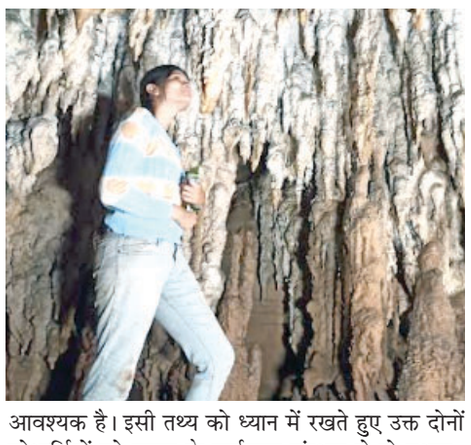

आवश्यक है। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए उक्त दोनों शोधार्थियों को बस्तर के पर्यावरण संरक्षण से दो पृथक-पृथक मुद्दों पर शोध कार्य आबंटित किया गया है।

बस्तर की चूनापत्थर की गुफाओं के संरक्षण पर शोधकार्य कर रही है कुमारी स्वपना गुप्ता के शोधपत्र प्रतिष्ठित रिसर्च जर्नल्स में प्रकाषित हुए हैं। छत्तीसगढ़ की ओर से कांगेर वैली नेषनल पार्क के संरक्षण हेतु गठित समिति में भी कुमार स्वपना गुप्ता को शामिल किया गया है। कुमारी स्वपना गुप्ता ने बताया कि उनके द्वारा अभी तक बस्तर में कुटुमसर गुफा के आस-पास को मिला 07 चूनापत्थर गुफाओं का सूक्ष्म अध्यन किया गया है। इनमें दंडक गुफा, ग्रीन गुफा, सहित एक नई गुफा भी शामिल है। वर्षा जल के चूनापत्थर क्षेत्रों में रासायनिक क्रिया के फ्लस्वरूप् ये गुफाएं निर्मित हुई हैं तथा गुफा के अंदर अति मनमोहक चूनापत्थर से निर्मित संरचनाएं विद्यमान है।

कुमारी स्वपना गुप्ता ने कहा कि लंबे भूवैज्ञानिक काल में (हजारों वर्ष) में निर्मित होने वाली इन महत्वपूर्ण संरचनाओं को कई बार पर्यटक जाने अनजाने में नुकसान पहुंचाते हैं गुफाओं के अंदर अत्यधिक अंधकार होने के कारण वहां विद्यमान चमगादड़ तथा मछलियां प्रकाष के प्रति असंवेदनषील होते हैं और लोग सामान्य रूप में उन्हें

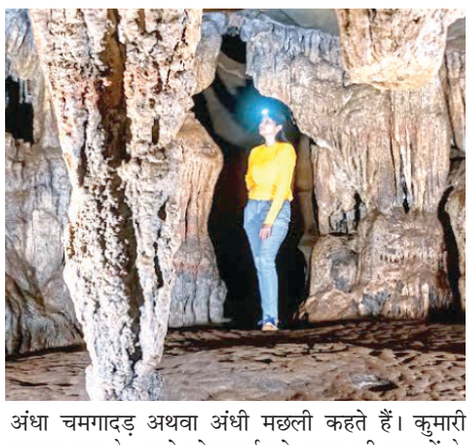

अंधा चमगादड़ अथवा अंधी मछली कहते हैं। कुमारी स्वपना गुप्ता के अपने शोधकार्य को बस्तर की गुफाओं के संरक्षण हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इससे इन गुफाओं की उत्पत्ति उपस्थित संरचना तथा जलवायु परिवर्तन का गुफाओं पर प्रभाव की जानकारी प्राप्त हो सकेगी। बस्तर में जगदलपुर के समीप स्थित दलपत सागर तालाब के यूट्रीफ्किेषन अर्थात जल में सामान्य से अधिक उर्वरकों, प्रदूषकों तथा अपषिष्ट पदार्थों की उपस्थिति के निराकरण पर शोध कर रही साइंस कॉलेज, दुर्ग शोधकेन्द्र की शोधार्थी कुमारी अरूणिमा बसु रे ने कहा कि अपने शोधकार्य के दौरान उन्होंने पाया कि दलपत सागर तालाब के समीप शहरीकरण तथा मानव जनित गतिविधियों के कारण जल में आवष्यकता से अधिक पोषक तत्व विद्यमान है।

बड़ी मात्रा में जलकुंभी की उपस्थिति तथा तालाब में उर्वरक खाद युक्त जल, औद्योगिक एवं घरेलू अपषिष्ट को प्रवाहित करने से दलपत सागर की जल की गुणवत्ता प्रभावित होगी। कुमारी अरूणिमा ने बताया कि उनका शोधकार्य अभी प्रगति पर है शोधकार्य पूर्ण होने पर वे समाज के हित में दलपत सागर के संरक्षण हेतु सुझाव देंगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950